कोलफील्ड मिरर

Website : coalfieldmirror.com

हर पल आपके साथ

कोलकाता | शनिवार 04 मई 2024 | वर्ष-07 | अंक-1017 | पृष्ठ-06 | RNI (TA) No. 2022027633

राजभवन की महिला कर्मचारी ने पश्चिम बंगाल के राज्यपाल पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया

कोलफील्ड मिरर 04 मई (कोलकाता): पश्चिम बंगाल के राज्यपाल डॉक्टर सीवी आनंद बोस पर एक महिला से कथित यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर अब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी निशाना साधा है. उन्होंने कहा कि यह घटना हृदय विदारक है. उन्होंने सीधे तौर पर राज्यपाल पर ऐसा करने का आरोप लगाया है और कहा कि लड़की डरी हुई है.

दरअसल, राज भवन में अस्थाई तौर पर काम करने वाली एक महिला कर्मचारि ने गुरुवार (2 मई) की रात लाल बाजार स्थित कोलकाता पुलिस मुख्यालय के हेयर स्ट्रेट थाने में जाकर राज्यपाल के खिलाफ यौन उत्पीड़न की लिखित शिकायत दर्ज करवाई. गवर्नर ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे राजनीति से प्रेरित बेबुनियाद आरोप बताया और कहा कि वह डरने वाले नहीं है.

शुक्रवार को पश्चिम बंगाल में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, "वह (युवती) राजभवन में नौकरी करती है. राज्यपाल ने उसके साथ क्या व्यवहार किया. मेरे पास एक नहीं हजारों ऐसी घटनाएं आई हैं, लेकिन मैंने कभी कुछ नहीं कहा.

हालांकि यह घटना मेरे लिए हृदय विदारक है.

इसके बाद सीधे तौर पर राज्यपाल पर लगे यौन उत्पीड़न के आरोपों को सच बताते हुए ममता ने कहा कि राज्यपाल ने अपने यहां काम करने वाली युवती के साथ एक नहीं दो बार यौन उत्पीड़न किया. ममता ने कहा, "मैंने उसका (लड़की) रोना देखा है, मेरे पास उसका वीडियो आया है. कल (गुरुवार) युवती ने बाहर निकलने के दौरान रोते हुए कहा है कि अब मैं राजभवन में नौकरी करने नहीं जाऊंगी. वह डर रही है, कभी भी उसे बुलाकर ख़राब व्यवहार कर सकते हैं, अपमान कर सकते हैं..."

न्यूज एजेंसी पीटीआई ने राजभवन के सूत्रों के हवाले से कहा, "महिला कर्मचारी अपने कथित प्रेमी, जो राजभवन का कर्मचारी भी है, की मदद से (लोगों की) शिकायतों को भारत के निर्वाचन आयोग को भेजे जाने से रोक रही थी. राजभवन के एक अधिकारी ने कहा, 'जब महिला को इसके लिए डांटा गया तो उसने बाहर जाकर छेड़छाड़ का आरोप लगाया.

राजभवन से जारी एक अलग बयान में कहा गया कि राज्यपाल ने 'मानहानि और संविधान विरोधी बयानों' को लेकर पश्चिम बंगाल की मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य के कोलकाता, दार्जिलिंग और बैरकपुर के राजभवन परिसरों में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया. बयान में आगे कहा गया कि राज्यपाल ने अपने कार्यालय को यह भी निर्देश दिया है कि वह मंत्री की उपस्थिति वाले किसी भी समारोह में भाग नहीं लेंगे. मंत्री के खिलाफ भावी कानूनी कदमों पर परामर्श के लिए भारत के अटॉर्नी जनरल से संपर्क किया गया है. इस बीच राजभवन परिसर में पुलिस के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है.

तृणमूल प्रत्याशी शत्रुघ्न सिन्हा के समर्थन में अभिषेक बनर्जी ने की जनसभा

कोलफील्ड मिरर 04 मई (रानीगंज): प्रचंड असहनीय गर्मी के बीच दोपहर के वक्त सियारसोल राजबाड़ी मैदान में तृणमूल कांग्रेस की ओर से आयोजित चुनावी सभा में प्रत्याशी शत्रुघ्न सिन्हा के समर्थन में तृणमूल कांग्रेस के अखिल भारतीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह चुनाव काफी महत्वपूर्ण चुनाव है। इस चुनाव में एक तरफ जहां बीजेपी संविधान बदलने से लेकर आम आदमी के जीवन से स्वतंत्रता छीनना चाहती है। वहीं दूसरी ओर ममता बनर्जी की योजना लखीश्री, स्वास्थ्य साथी, कन्याश्री, मुफ्त राशन को बंद करना चाहती है।

उन्होंने कहा कि मोदी की गारंटी महज धोखा है। आसनसोल लोकसभा क्षेत्र में 7 वर्षों तक बीजेपी रही एक भी काम को नहीं किया, वहीं दूसरी ओर मात्र डेढ़ वर्ष में सांसद कोटा के रकम से इस अंचल

का विकास टीएमसी कांग्रेस ने किया। आज प्रधानमंत्री इस क्षेत्र में आकर चुनावी सभा में धर्म जाति के नाम पर विभाजनकारी वक्तव्य देकर भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन बंगाल की जनता सफल नहीं होने देगी, बंगाल की तरह पूरा देश चलता है और आने वाला समय में भी बंगाल निर्धारित करेगा।

आज पश्चिम बंगाल के विधि व्यवस्था को लेकर प्रश्न उठा रहे हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि आज उनके उत्तर प्रदेश से लेकर भाजपा शासित राज्य का अपराधी ग्राफ देखें स्पष्ट हो जाएगा, अपराधियों को बचाया जा रहा है, बृजेश सिंह के बेटे को आज बीजेपी में प्रत्याशी बनाकर यह स्पष्ट कर दिया है. उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री जैसे असफल मुख्यमंत्री नहीं हो सकता, हम क्या कहेंगे या हम निश्चित करेंगे मेरे दैनिक जीवन में खान-पान रहन-सहन हमारी स्वतंत्रता है।

मनरेगा के 100 दिन के एवज में केंद्र सरकार के नीति पर प्रश्न उठाते हुए कहा यह जनता का पैसा है मेहनत का श्रमिकों का पैसा है उसे देना ही पड़ेगा. वहीं व्यापारियों पर जीएसटी का बोझ डालकर व्यापार को ठप कर दी गई है. आम लोग परेशान हो गए हैं। इस चुनाव में पश्चिम बंगाल की अहम भूमिका होगी. इसके लिए सभी को मतदान में हिस्सा लेनी होगी.

इस सभा में मंत्री मलय घटक, विधायक हरे राम सिंह, तापस बनर्जी, अमरनाथ चटर्जी, वी. शिवदासन दासू, संदीप भालोटीया, टाउन अध्यक्ष रूपेश यादव, बोरो चेयरमेन मुजम्मिल शहजादा, देवाशीष घटक, जिला सभाधिपति विश्वनाथ बावड़ी, उपसभापति विष्णु देव नोनिया प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भाजपा उमीदवारों के समर्थन में बर्धमान- दुर्गापुर में जनसभा

कोलफील्ड मिरर 04 मई (दुर्गापुर): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा उमीदवारों के समर्थन में बर्धमान-दुर्गापुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस पर निशाना साधा है। पूर्व बर्दवान के साईं कॉम्प्लेक्स ग्राउंड में शुक्रवार को आयोजित रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मै मौज करने के लिए पैदा नहीं हुआ हूं. मैं खुद के लिए जीना नहीं चाहता हूं. मैं 140 करोड़ देशवासियों की सेवा करने के लिए निकला हूं. "मोदी जब तक जिंदा है तो मैं इन्हें लूटने नहीं दूंगा' मोदी का एक ही सपना है, आपके सपनों को पूरा करना. मुझे ज्यादा से ज्यादा आशीर्वाद चाहिए ताकि मैं ज्यादा से ज्यादा आपकी सेवा कर सकूं।

उन्होंने कहा कि इस चुनाव का नतीजा साफ है. किसी जनमत सर्वे की जरूरत नहीं है कांग्रेस पहले से भी कम सीटों पर सिमटने जा रही है और तृणमूल कांग्रेस भी 15 सीटों पर नहीं जीत सकेगी। उन्होंने कांग्रेस नेता पर तंज कसते हुए कहा कि मैंने पहले ही संसद में कहा था कि उनके सबसे बड़े नेता चुनाव का सामना नहीं करेंगे और भाग जाएंगे. वो भागकर राजस्थान से राज्यसभा के पिछले दरवाजे से संसद पहुंचीं. वायनाड में भी शहजादे चुनाव हारेंगे और इसलिए वो दूसरी सीट की तलाश करेंगे. अब वो अमेठी में लड़ने से डर रहे हैं अब इन्हें अमेठी से भागकर रायबरेली सीट चुननी पड़ी है. ये लोग घूम -घूम कर सबको कहते हैं डरो मत मैं भी इन्हें यही कहूंगा डरो मत, भागो मत.

पीएम ने कहा कि देश भी समझ रहा है कि ये लोग चुनाव जीतने नहीं, देश को बांटने के लिए चुनावी मैदान का उपयोग कर रहे हैं.

आगे उन्होंने कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा प्रायोजित और सहायता प्राप्त स्कूलों में राज्य स्तरीय चयन परीक्षा 2016 (एसएलएसटी) की भर्ती प्रक्रिया को अमान्य घोषित किए जाने पर कहां कि तृणमूल कांग्रेस ने बंगाल में स्कूल भर्ती में जो भ्रष्टाचार किया है, वह शर्मनाक है.

इस घोटाले के कारण कई योग्य उम्मीदवारों को नुकसान उठाना पड़ा है.मै चाहता हूं कि तृणमूल कांग्रेस के भ्रष्टाचार में शामिल लोगों को सजा मिले, लेकिन मैं यह नहीं चाहता कि निर्दोषों को इसका खामियाजा भुगतना पड़े. भाजपा ऐसे ईमानदार उम्मीदवारों का समर्थन करेगी और उन्हें कानूनी मदद मुहैया कराकर उनके लिए लड़ेगी।

बाँकुड़ा में दो तृणमूल उम्मीदवारों ने जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय जाकर नामांकन किया

कोलफील्ड मिरर 04 मई (बाँकुड़ा): बाँकुड़ा और बिष्णुपुर लोकसभा क्षेत्रों के दो तृणमूल उम्मीदवार, अरूप चक्रवर्ती और सुजाता मंडल ने ढाकी, ढोल, धमसा मदल और एक सौ फीट विशाल पार्टी झंडे, सैकड़ों पुरुष महिला कार्यकर्ताओ के साथ एक जुलूस में भाग लिया। 29 मई को, बिष्णुपुर के भाजपा उम्मीदवार सौमित्र खान ने पंजाबी धोती पहनकर और हाथ में गीता लेकर बाँकुड़ा के जिला मजिस्ट्रेट के कार्यालय में अपना नामांकन जमा किया। अगले दिन, बाँकुड़ा के

भाजपा उम्मीदवार सुभाष सरकार ने शहर में एक विशाल जुलूस के साथ अपना नामांकन दाखिल किया। इसके जवाब में आज बाँकुड़ा और बिष्णुपुर लोकसभा क्षेत्रों के तृणमूल उम्मीदवारों ने शहर में एक विशाल रैली निकाल कर अपना नामांकन दाखिल किया। इस दिन जुलूस में सैकड़ों महिला ढाकियों, कई आदिवासी महिला नर्तकियों, ढाक ढोल, तासा कंसार और विभिन्न संगीत वाद्ययंत्रों की उपस्थिति देखने लायक थी। जुलूस में सौ फीट के तृणमूल के झंडे ने ध्यान खींचा. नामांकन में अरूप चक्रवर्ती सफेद लाल किनारी वाली सफेद धोती और सफेद पंजाबी पहने हुए थे. सुजाता मंडल ने लाल बॉर्डर वाली सफेद साड़ी पहनी हुई थी. नामांकन जुलूस में भीड़ देखकर दोनों प्रत्याशी उत्साहित हैं। दोनों तृणमूल उम्मीदवार अपनी जीत को लेकर काफी आश्वस्त हैं.

फर्जी डॉक्टर बनकर शादी करने आया था दूल्हा, गिरफ्तार

कोलफील्ड मिरर 04 मई (बाँकुड़ा): दूल्हे को उस वक्त रंगे हाथ पकड़ लिया गया, जब वह फर्जी डॉक्टर बनकर शादी करने आया था. ऐसी ही एक घटना बांकुड़ा के जयपुर ब्लॉक के बनकाटी गांव में घटी.

सूत्रों के मुताबिक जालसाज डॉक्टर पिछले तीन साल से खुद को एसएसकेएम का एमबीबीएस डॉक्टर बताकर एक नर्सिंग छात्रा से शादी करने की कोशिश कर रहा था. लेकिन खुद को एसएसकेएम का डॉक्टर बताने वाला दूल्हा छतना आने के बाद अपनी प्रेमिका सुप्रिया पाल से शादी नहीं कर सका. दूल्हे के घर वालों से दूल्हे का पहचान पत्र पता चलने पर सिन्दूर दान से पहले ही शादी रोक दी गई और दूल्हे को गिरफ्तार कर लिया गया.

मालूम हो कि खुद को डॉक्टर बताने वाले शख्स का नाम बापी चांदपरी है, वह पेशे से दूध विक्रेता है. खारग्राम, मुर्शिदाबाद में घर है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक बापी चांदपरी की मुलाकात तीन साल पहले सुप्रिया पाल से हुई थी. फेसबुक से प्यार, फिर शादी का ख्याल. वहीं शादी के मंडप में बैठे-बैठे घर के कुछ लोगों ने तुरंत शादी रुकवा दी और दूल्हे समेत उसके रिश्तेदारों के खिलाफ थाने में रिपोर्ट दी। पुलिस तुरंत उन्हें थाने ले आई और पूछताछ की. फर्जी डॉक्टर बापी चंदपरी को आखिरकार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया.

खाना पकाने के दौरान भीषण आगलगी से छह परिवारों के कुल 15 घर जल कर राख

कोलफील्ड मिरर 04 मई (मालदा): मानिकचक के गोपालपुर में खाना पकाने के दौरान भीषण आग लग गयी. आग की लपटें उठने से छह परिवारों के कुल 15 घर जल गये. देखते ही देखते आग आसपास के घरों तक फैल गई।

मतिउल शेख के घर में करीब चार लाख रुपये नकद थे. जब वह पैसे बचाने के लिए आग में कूदा तो पैसे तो नहीं बचा सका लेकिन खुद जल गया। फिलहाल मालदा मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में दो लोगों का इलाज चल रहा है. छह परिवारों के करीब छह लाख नकद, दो-तीन भर सोना, अनाज व घरेलू उपकरण सब जलकर राख हो गये. स्थानीय लोगों ने तुरंत आग बुझाने का प्रयास किया. दमकल की गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचीं. हालांकि स्थानीय लोगों और फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन सबकुछ जलकर राख हो गया।

अब खुले आसमान के नीचे रह रहे हैं। हालाँकि आग से प्रभावित परिवार अमीर नहीं थे, फिर भी उन्होंने दुकानें और छोटे-छोटे व्यवसाय चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण अच्छे से किया। लेकिन आग ने उन्हें रास्ते में ही रोक दिया। खबर पाकर गोपालपुर पंचायत की मुखिया अंजनारा खातून, मानिकचक पंचायत समिति के शिक्षा पदाधिकारी शेख सकीरुद्दीन, मानिकचक पंचायत समिति सदस्य असीर उद्दीन समेत कई लोग मौके पर गये.

हमारा संकल्प- महिला सशक्तिकरण मिशन की शुरुआत

कोलफील्ड मिरर 04 मई (आसनसोल): हमारा संकल्प, समाजसेवा क्षेत्र में एक अग्रणी गैर सरकारी संगठन है, जो बाल शिक्षा में अपने प्रयासों के लिए जाना जाता है, ने पश्चिम बंगाल, बिहार और उत्तर प्रदेश में अपने 40 शिक्षा में सहयोग केंद्रों में 4,000 से अधिक छात्रों के साथ महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है।

संगठन ने अब महिलाओं और विकलांग व्यक्तियों के लिए सशक्तिकरण गतिविधियों को शामिल करने के लिए अपने मिशन का विस्तार करने का निर्णय लिया है।

भारत की आबादी में महिलाओं का आधा हिस्सा होने के बावजूद, आर्थिक विकास में उनका योगदान जैविक या वैज्ञानिक कारणों के बजाय सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक कारणों से बहुत कम है। हमारा संकल्प में, हमारा मिशन महिलाओं के कौशल का निर्माण करके उन्हें रोजगार योग्य बनाना है, जिससे वे अपनी कमाई

के माध्यम से अपने परिवार को आर्थिक रूप से समर्थन देने में सक्षम हो सकें।

इस उद्देश्य से, हमने एचएस सशक्तिकरण मिशन की शुरुआत की, जिसमें शुरुआत में मुफ्त सिलाई कक्षाएं प्रदान की गईं। जल्द ही, हम कृत्रिम आभूषण, अगरबत्ती और सजावटी सामान बनाने का प्रशिक्षण भी शामिल करने की योजना बना रहे हैं। ये कार्यक्रम महिलाओं और विकलांग लोगों के लिए खुले हैं।

हमारा संकल्प सशक्तिकरण मिशन का उद्घाटन एनजीओ के अध्यक्ष और मैथन अलॉय लिमिटेड के सीएमडी सुभाष चंद्र अग्रवाल, सतीश सिन्हा, उत्पल सेन ने 3 मई, 2024 को किया था।

इस कार्यक्रम में कार्यकारी अध्यक्ष पवन गुटगुटिया, महिला अध्यक्ष मुनमुन राय उपस्थित थीं।

समिति, और अन्य उल्लेखनीय अतिथि। पहले समूह में 30 महिलाएं शामिल हैं जो विशेषज्ञ प्रशिक्षकों से दैनिक प्रशिक्षण प्राप्त करेंगी। मऊ दास, ज्योति बाला और ललिता प्रसाद कौशल विकास कार्यक्रम की देखरेख करेंगी। सभी प्रतिभागियों को एक प्रवेश पत्र, एक ग्राफिक पुस्तक और अन्य आवश्यक प्रशिक्षण सामग्री प्रदान की गई।

केरल के तिरुवनंतपुरम में अपनी पोस्टिंग से आए संस्थापक श्री अजय कुमार सिंह भी उपस्थित थे। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि हमारा संकल्प विकलांग महिलाओं और व्यक्तियों के लिए कई और कौशल विकास और प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने की योजना बना रहा है, जिसका उद्देश्य उनके आत्मविश्वास और रोजगार क्षमता को बढ़ावा देना है। आगे बढ़ते हुए, हमारा संकल्प का इरादा सभी प्रशिक्षित व्यक्तियों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करना है ताकि वे अपने घरों से पर्याप्त आय अर्जित कर सकें।

कार्यक्रम में, प्रसिद्ध अंग्रेजी शिक्षक इंदु भूषण झा को सुभाष चंद्र अग्रवाल द्वारा एनजीओ की मानद सदस्यता से सम्मानित किया गया।

सुभाष अग्रवाल ने गर्व से कहा, "पहला कदम कौशल विकास है, और अगला कदम रोजगार सृजन होगा।"

अजय वर्मा, सीता प्रसाद, बैजंती प्रसाद, डोलन पाल, बिक्रम पासवान, सागर प्रसाद और अन्य लोग समारोह में उपस्थित थे और इसकी सफलता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

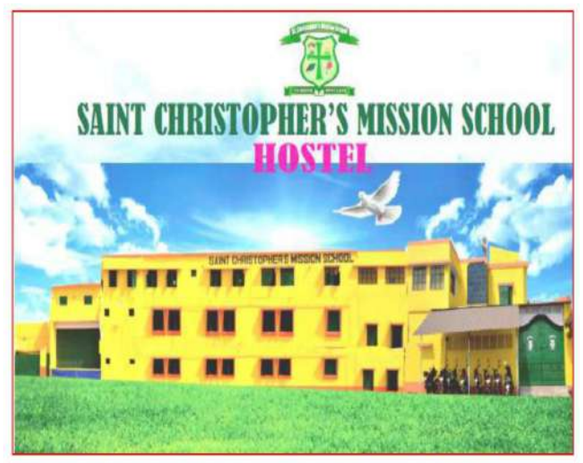

केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने रानीगंज श्याम मन्दिर पहुंचकर लिया आशीर्वाद

कोलफील्ड मिरर 04 मई (रानीगंज): श्री सीता राम जी भवन मैं जन जागरण मंच की ओर से आयोजित सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय कानून न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि आज पश्चिम बंगाल के विकास के लिए सबसे बड़ी जरूरत है कि इस दलदल से आप लोगों को निकालनी होगी. क्योंकि वर्तमान तृणमूल कांग्रेस की सरकार किसी भी तरह से विकास की राह पर नहीं है। आज पश्चिम बंगाल में जिस रूप से विशेष कर हिंदू के ऊपर प्रहार हो रहा है। इससे रखा करने के लिए स्वयं को मजबूत बनाना होगा। इसके लिए संवैधानिक नियम है।

पश्चिम बंगाल में बीजेपी की संभावनाएं हैं और यहां के लोग परिवर्तन चाहते हैं। हम लोगों का चुनाव घोषणा पत्र में स्पष्ट कर दिया गया है कि भारत को विकसित बनाने के लिए समय अनुकूल परिवर्तन करनी होगी।

डिजिटल युग है इसे अस्वीकार नहीं किया जा सकता। इस पर भी हम लोग विशेष रूप से इंगित किया है। हम लोगों का प्रयास है। प्रत्येक व्यक्ति आत्मनिर्भर हो।

उन्होंने रानीगंज में नवनिर्मित श्याम मंदिर का दर्शन किया और पूजा अर्चना के उपरांत कहा कि यह सब वातावरण इस बात को प्रमाणित करता है कि यह क्षेत्र भी हिंदू का क्षेत्र है।

विधायक अजय पोद्दार विश्व हिंदू परिषद रानियां शाखा के अध्यक्ष मनोज शराफ, विमल सराफ विष्णु शराफ विनोद बंसल राजेश, मारवाड़ी युवा मंच रानीगंज शाखा के अध्यक्ष प्रतीक मोर, श्याम,सुन्दर जलान, रवि केसरी प्रमुख मौजूद थे।

लायंस क्लब पांडवेश्वर के जल छत्र में पानी पीने वालो की भीड़

कोलफील्ड मिरर 04 मई (पांडेश्वर): लायंस क्लब पांडवेश्वर की ओर से एनएच 60 पर पुराना स्टेट बैंक के पास प्याऊ लगाया गया,

प्याऊ में प्रतिदिन सैकड़ों लोग आकर अपनी प्यास को बुझा रहें है, बंगला नववर्ष से आने जाने वालो को मुंह मीठा कराकर ठंडा जल पिलाने वाला लायंस क्लब पांडवेश्वर के प्याऊ पर दोपहर के समय पानी पीने के लिए कतार लग जाती है,

लायंस क्लब के अध्यक्ष बबलू सिन्हा कहते है कि लायंस क्लब सामाजिक सरोकार को निभाने में विश्वास करता है और यह प्याऊ जनता को गर्मी तक प्यास बुझाता रहेगा,

उन्होंने कहा कि लायंस क्लब पांडवेश्वर के सभी सदस्य अपना समय निकालकर प्याऊ पर लोगो को पानी पिलाते है और सुबह से संध्या तक दो व्यक्ति को परीश्रमिक देकर सेवा में लगाया गया हैं, वही लायंस क्लब के द्वारा मुख्य सड़क मार्ग पर प्याऊ खुल जाने से लोगो को भी बहुत राहत मिल रही है, लायंस क्लब के सदस्यों डॉ जसबीर सिंह, विजय सिंह, सुजीत मजमुदार ने प्याऊ स्थल पर जाकर मुख मीठा कराकर लोगो को जल पिलाया.

उपमेयर के प्रयास से गुम हुआ बच्चा वापस अपने परिजनों से मिला

कोलफील्ड मिरर 04 मई (आसनसोल): आसनसोल नगर निगम के उप मेयर वसीम उल हक के प्रयास से आसनसोल रेलपार के बाबू तालाब इलाके का रहने वाला एक लापता बच्चा फिर अपने परिजनों से मिल सका।

घटना के बारे में जानकारी देते हुए वसीम उल हक ने बताया कि इस साल 26 जनवरी के दिन बाबू तालाब इलाके के रहने वाले रेहान के बेटे अयान हैदराबाद में अपने मामा के घर गया था, लेकिन वहां पर वह गुम हो गया था। इसके बाद से उस बच्चे की तलाश की कोशिश की गई लेकिन बच्चे का कोई पता नहीं चल पाया। बुधवार को उस बच्चे के एक रिश्तेदार जो कि कोलकाता में रहते हैं उन्होंने जानकारी दी कि तमिलनाडु की पुलिस एक लापता बच्चों को लेकर कोलकाता के होम आई है। बच्चे से पूछताछ में वह खुद को बाबू तालाब इलाके का रहने वाला बता रहा है।

इसके बाद आसनसोल से उस बच्चे के बारे में पूरी जानकारी लेने के बाद यहां से उनके रिश्तेदारों को पूरे दस्तावेज के साथ कोलकाता भेजा गया और जब देखा गया कि यह वही बच्चा है, तो कोलकाता के होम द्वारा उस बच्चे को उनके मां-बाप के हवाले कर दिया गया। उन्होंने कहा कि इस बच्चे को तलाश करने में स्थानीय टीएमसी कार्यकर्ताओं और प्रशासन की तरफ से भी पूरा सहयोग किया गया और यह बड़ी खुशी की बात है कि आज एक लापता बच्चा अपने माता-पिता के पास आ गया है।

वंही बच्चों की मां ने उनके खोए हुए बच्चे को तलाश करने के लिए वसीम उल हक को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि वसीम उल हक के प्रयासों की वजह से उनका खोया हुआ बच्चा उनको वापस मिल सका।

प्रत्यशी के समर्थन में भाजपा लीगल सेल की अहम बैठक

कोलफील्ड मिरर 04 मई (आसनसोल): शुक्रवार सुबह आसनसोल जिला भाजपा लीगल सेल ने कोर्ट मोड़ स्थित निर्वाचन कार्यालय में आसनसोल लोकसभा प्रत्यशी के समर्थन में चुनावी सभा को लेकर अहम बैठक की। बैठक में आसनसोल लोकसभा के सात विधानसभा से आसनसोल भाजपा लीगल सेल के महिला पुरुष उपस्थित थे।

आसनसोल भाजपा लीगल सेल के कन्वेनर बाबू घटक ने कहा इस चुनाव में लीगल सेल भाजपा कर्मियों के साथ हाथ से हाथ मिलकर कार्य कर रहा है। हमारे आसनसोल लोकसभा के भाजपा प्रत्यशी सह अधिवक्ता एसएस अहलूवालिया के समर्थन में लीगल सेल कार्य करेगा।

आसनसोल जिला भाजपा लीगल सेल के को- कन्वेनर विनोद सिंह सोलंकी ने कहा आसनसोल लोकसभा भाजपा प्रत्याशी श्री अहलूवालिया को आसनसोल सीट से जिताना है और मोदीजी को कमल का उपहार देना है।

प्रधानमंत्री जी सभा को लेकर लीगल सेल का महत्वपूर्ण कार्य है। भाजपा जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में 7 मई को होने वाले सभा को कानूनी रूप से चुनाव आयोग से आवेदन लेना है।

मौके पर बरणाली घटक, सपना मंडल, रीना बनर्जी, पूजा संघका, सरिता चौहान, सुजीत मुखर्जी, सुबोध बावरी, अनिमेष सिंह, गौतम दास, प्रमोद भक्त, अभिताभ बेनर्जी, रमाकांत गिरी, बीरेंद्र सिंह, ओकरा सरण शर्मा, सुमन चक्रवती के साथ काफ़ी संख्या में अधिवक्तागण थे।

भाजपा जिला लीगल सेल के इस महत्वपूर्ण बैठक में आसनसोल भाजपा संगठनिक जिला के सहायक मीडिया प्रभारी सह कुल्टी विधानसभा के उपाध्यक्ष टिंकु वर्मा उपस्थित थे।

कांकसा प्रखंड के विद्यार्थियों ने माध्यमिक में अच्छा रिजल्ट हासिल किया

कोलफील्ड मिरर 04 मई (कांकसा): राज्य में शुक्रवार को माध्यमिक परीक्षा का रिजल्ट घोषित कर दिया गया.

पूरे राज्य के अलावा कांकसा प्रखंड के विद्यार्थियों ने भी इस वर्ष माध्यमिक में अच्छा रिजल्ट हासिल किया है. इसी तरह पानागढ़ बाजार स्थित पानागढ़ बाजार हिंदी हाई स्कूल में 86 प्रतिशत विद्यार्थियों ने अच्छे परिणाम के साथ माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की है. शुक्रवार को जैसे ही स्कूल में अच्छे रिजल्ट की खबर फैली, स्कूल के शिक्षक व छात्र खुशी से झूम उठे. शुक्रवार की दोपहर विद्यालय के शिक्षक एवं प्रबंधन संघ के अध्यक्ष कुलदीप सिंह ने माध्यमिक में अच्छे परिणाम प्राप्त करने वाले एवं माध्यमिक उत्तीर्ण करने वाले सभी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र सौंपे।

इंटक के स्थापना दिवस पर राहगीरों में शरबत वितरण

कोलफील्ड मिरर 04 मई (रानीगंज): पोस्ट ऑफिस के सपीप नव निर्मित कांकसा ब्लाक कॉग्रेस कार्यलय के समक्ष आज 3 मई इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कॉंग्रेस की स्थापना दिवस के मौके पर प्रचंड गर्मी से कुछ राहत हेतु राहरीरो में ठंडा सरबत वितरण किया गया! इस मौके पर कांकसा ब्लॉक जर्नल सेक्रेटरी (कॉग्रेस) धर्मेंद्र शर्मा,जिला ब्लॉक सचिव पूरब बेनर्जी, इंद्र कुमार मैहरा, जानकी सरण राय, ब्लॉक महिला नेत्री मुलताना वीवी एवं अन्य मौके पर उपस्थित कांग्रेस नेताओँ एवं कार्यकर्ताओं सभी ने मिलकर राहगीरों एवं वाहन चालको को रोक कर सरबत पिलाया प्रचंड गर्मी में लोगो को कुछ देर ही सही राहत तो मिली!

आसनसोल से भाजपा प्रत्याशी अहलूवालिया ने किया रोड शो

कोलफील्ड मिरर 04 मई (पांडेश्वर): आसनसोल लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी एसएस अहलूवालिया ने शुक्रवार को तेज धूप के बीच पांडवेश्वर विधानसभा के हरिपुर और पांडवेश्वर में गाजे बाजे के साथ रोड शो किया,

हरिपुर में राम जानकी मंदिर में पूजा अर्चना करने के बाद मंदिर से हरिपुर बाजार तक रोड शो किया, खुली गाड़ी में लोगो का अभिवादन स्वीकार करते हुए भाजपा प्रत्याशी और भाजपा नेता जितेंद्र तिवारी चल रहे थे और भाजपा समर्थक नारा लगाते हुए वाहनों और पैदल चल रहे थे, तेज धूप होने के बाद भी लोगो ने भाजपा प्रत्यासी को देखने के लिए खड़ी रही,

पांडवेश्वर में प्रखंड कार्यालय से भाजपा प्रत्यासी का रोड शो तेज धूप में गाजे बाजे के साथ पांडवेश्वर बाजार स्तिथ मां रक्षा काली के मंदिर तक गया जहा पूजा अर्चना किया गया, इस अवसर पर जय श्री राम और भाजपा का नारा लगता रहा, भाजपा कर्मियो के अलावा स्थानीय जनता भी रोड शो के दौरान उपस्थित थी.

इस अवसर पर एसएस आहलुवालिया ने कहा 2014 और 2019 में जिस तरह भाजपा ने आसनसोल लोकसभा में जीत दर्ज किया था, ठीक उसी तरह भाजपा तीसरी बार जीत दर्ज करेगी, उप चुनाव में क्या हुआ था यह जनता नही समझती है, केवल तीसरी बार भाजपा यहां से जीत रही है. खासकर पांडवेश्वर विधानभा में ही अच्छी बढत होगी.

केंद्रा में आदिती मुंशी ने किया रोड शो

कोलफील्ड मिरर 04 मई (पांडेश्वर): केंद्रा क्षेत्र में आसनसोल लोकसभा क्षेत्र के तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार शत्रुघ्न सिन्हा के समर्थन में राजारहाट विधानसभा क्षेत्र की विधायक अदिति मुंशी प्रचार करने पहुंचीं. अदिति मुंशी ने पांडवेश्वर ब्लॉक के केंद्र क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर रोड शो किया। इस दिन विधायक और मशहूर गायिका अदिति मुंशी को देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी. रोड शो में तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं का उत्साह देखते ही बन रहा था. अदिति मुंशी ने खुले जीप पर सवार होकर प्रचार अभियान चलाया, इस अवसर पर पांडवेश्वर ब्लॉक तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष किरिटी मुखर्जी और केंद्र क्षेत्र तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष यमुना धीबर के साथ स्थानीय तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

तेज गति कार टकराई बिजली के खम्भे से, दो घायल

कोलफील्ड मिरर 04 मई (नियामतपुर): सीतारामपुर इलेक्ट्रिक ऑफिस के समीप तेज गति से आते हुए एक कार बिजली खंबे से टकरा गई. जिसमें बैठे दो युवक गंभीर घायल हो गए। पुलिस दोनो युवक को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया। जानकारी अनुसार गुरुवार की देर रात्रि करीबन 3 बजे दो युवक एक कार से तेज गति से जा रहा था. अचानक कार का संतुलन बिगड़ा और कार बिजली के खंबे से टकरा गया। टक्कर काफ़ी जोरदार रही जिससे कार के परखच्चे उड़ गए. वहीं दोनो युवक बुरी तरह से घायल हो गया. नियामतपुर पुलिस ने समय ना गवाते हुए दोनो युवको को आसनसोल जिला अस्पताल में भर्ती करवाया. मिलि जनकारी अनुसार इसमें से एक युवक रोहित झा आसनसोल पंजाब नेशनल बैंक का कर्मचारी बताया जा रहा है। वही दूसरा युवक आसनसोल का सौविक मुखर्जी बताया जा रहा है।

इस बार का लोकसभा चुनाव गोडसे बनाम अंबेडकर के आदर्शों की लड़ाई- अधिवक्ता कैसर जमाल सिद्दीकी

कोलफील्ड मिरर 04 मई (रानीगंज): इन दिनों पूरे देश में लोकसभा चुनाव का दौर चल रहा है दो चरणों का मतदान हो चुका है और पांच चरणों का मतदान अभी बाकी है. हर चुनाव महत्वपूर्ण होता है. लेकिन लोकसभा का चुनाव कुछ ज्यादा ही महत्वपूर्ण होता है. क्योंकि यहां आम जनता को यह अधिकार मिलता है कि वह केंद्र सरकार का चुनाव कर सके यह तय कर सके कि अगले 5 सालों तक देश का प्रधानमंत्री कौन होगा.

ऐसे महत्वपूर्ण समय पर रानीगंज के वरिष्ठ अधिवक्ता कैसर जमाल सिद्दीकी पत्रकारों से रूबरू हुए. उन्होंने कुछ बहुत महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि लोकसभा का चुनाव चल रहा है, यह एक ऐसा चुनाव है, जब देश की जनता अपने भविष्य को ध्यान में रखते हुए केंद्र की सरकार चुनती है.

उन्होंने कहा कि आज देश की राजनीति दो हिस्सों में विभाजित हो चुकी है. एक तरफ है गोडसे के आदर्शों पर चलने वाले लोगों की राजनीति और दूसरी है धर्मनिरपेक्ष और संविधान को मानने वाले बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के आदर्शों पर चलने वाले लोगों की राजनीति, आज देश की जनता को मतदान के माध्यम से इन दो तरह के आदर्श में से किसी एक आदर्श को चुनना है.

उन्होंने कहा कि आज देश में नारे लगाए जा रहे हैं कि अबकी बार 400 पार। इसको समझने की जरूरत है कि आखिर 400 से ज्यादा सीट क्यों चाहिए. दरअसल इस प्रचंड बहुमत की अपील इसलिए की जा रही है ताकि संविधान में दिए गए कई प्रावधानों को बदला जा सके. संविधान संशोधन करके आरक्षण को खत्म किया जाए. अल्पसंख्यकों को जो अधिकार दिए गए हैं, उनको समाप्त किया जाए, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, महिलाओं के हक में संविधान में जो प्रावधान है, उनको पूरी तरह से समाप्त करने की मंशा से ही 400 से ज्यादा सीट की मांग की जा रही है.

उन्होंने कहा कि अब देश की जनता को यह फैसला लेना है कि वह क्या करना चाहते हैं, एक तरफ वह लोग हैं जो उन आदर्शों का अनुसरण करते हैं, जो नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाना चाहते हैं, तो दूसरे तरफ वह लोग हैं जो राहुल गांधी को प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं, लोगों को इन दो आदर्शों के बीच चुनाव करना है, लेकिन अंततोगत्वा उन हाथों को मजबूत करने की आवश्यकता है जिस संविधान की रक्षा हो सके और संविधान में अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति महिलाओं अल्पसंख्यकों के हक में जो प्रावधान बनाए गए हैं उनकी रक्षा हो सके।

उन्होंने कहा कि इस बात की पूरी संभावना है कि चुनाव के बाद ही सीएए और एनआरसी लागू कर दिया जाए, कैसर जमाल सिद्दीकी ने साफ कहा कि अगर सीएए एनआरसी से बचाना है, तो उन आदर्शों का समर्थन करने की आवश्यकता है जो बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर को मानते हैं।

हावड़ा और इंदौर के बीच चलेगी ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेन

कोलफील्ड मिरर 04 मई (आसनसोल): गर्मी के मौसम में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ से निपटने के लिए रेलवे ने हावड़ा और इंदौर के बीच समर स्पेशल ट्रेनें चलाने का फैसला किया है। 09336 हावड़ा-इंदौर समर स्पेशल हावड़ा से दिनांक 05.05.2024 को (01 ट्रिप) 09:35 बजे रवाना होगी और अगले दिन 17:00 बजे इंदौर पहुंचेगी। ट्रेन रास्ते में पूर्व रेलवे के क्षेत्राधिकार में आसनसोल मंडल के दुर्गापुर और आसनसोल स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन में शयनयान श्रेणी और वातानुकूलित श्रेणी के डिब्बे होंगे।

आद्रा मंडल में संयुक्त रोलिंग ब्लॉक

कोलफील्ड मिरर 04 मई (आसनसोल): दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल में 06.05.2024 (सोमवार) से 12.05.2024 (रविवार) तक संयुक्त साप्ताहिक रोलिंग ब्लॉक को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित ट्रेनों को निम्नानुसार विनियमित किया जाएगा: ट्रेनों का संक्षिप्त समापन/संक्षिप्त प्रारंभ: 03594/03593 आसनसोल-पुरुलिया -आसनसोल मेमू 09.05.2024 को होने ट्रेन परिचालन वाली यात्रा आद्रा से प्रारंभ होगी/ और आद्रा में ही संक्षिप्त रूप से समाप्त हो जाएगी। आद्रा-पुरुलिया-आद्रा के बीच ट्रेन परिचालनसेवा रद्द रहेगी।

आज का राशिफल

मेष
दिन बढ़िया रहेगा. बुद्धि विवेक में वृद्धि होगी. अचानक से आर्थिक रूप से लाभ होगा. छात्रो को और अधिक परिश्रम करना होगा. पारिवारिक विवाद को जल्द से जल्द खत्म करने का प्रयास करें.

वृषभ
दिन अच्छा रहेगा. कानूनी मामले का परिणाम आपके पक्ष में आयेगे. अचानक यात्रा पर जाना पड़ सकता है. कारोबार में धन निवेश के लिए इंतजार करे. वाहन चलाते समय सावधानी बरते.

मिथुन
दिन उत्तम रहेगा. कोई खुशखबरी मिलेगी. अपने काम और सौम्य व्यवहार के चलते ऑफिस में सभी के चहेते बनेंगे. व्यापार को बढ़ाने पर आपको ध्यान देना होगा. परेशानियों से निजात मिलेगा.

कर्क
दिन बढ़िया रहेगा. ऑफिस में समय से पहले काम ख़त्म करे. बिजनेस में मुनाफा होने की संभावना है. अपने मेहनत के दम पर ही सफलता हासिल कर सकेंगे. जीवनसाथी से तालमेल रखे.

सिंह
दिन शानदार रहेगा. भाग्य चमकेगा. कार्यस्थल पर आपके कार्य ही आगे की स्ट्रेटजी को तैयार करेंगें. कारोबार में नया सौदा सोच समझ कर करना होगा. अपने संबंध को मधुर रखने का प्रयास करें.

कन्या
दिन बढ़िया रहेगा. यात्रा में समस्या हो सकती. कार्यस्थल पर आपको और परिश्रम करना होगा. बिजनेस में रूखे रवैये को बदलने का प्रयास करें. नकारात्मक बाते मन को काम से भटका सकता है.

तुला
दिन अच्छा रहेगा. जीनवसाथी से सम्बध मधुर रहेगे. कार्यस्थल पर बॉस से मार्गदर्शन अवश्य ले लें. कार्यवश दूसरे शहर की यात्रा करनी पड़ सकती है. अपने क्रोध और वाणी पर नियंत्रण रखे.

वृश्चिक
दिन बढ़िया रहेगा. पुरानी बिमारी से छुटकारा मिलेगा. वर्कस्पेस पर आपको बेहतर मौके मिलेंगे. बिजनेस में सोचा हुआ मुनाफा प्राप्त होने की संभावना बनेगी. बीमारियों को भी गंभीरता से लें.

धनु
दिन उत्तम रहेगा. प्रतिभा में निखार आऐगा. लोगों से मिली सीख का पालन करें. बिजनेस में बड़ा मुनाफा होने की संभावना है. अच्छी सलाहकारों के संपर्क में रहे. पुराने रोगों से मुक्ति मिलेगी.

मकर
दिन शानदार रहेगा. भूमि-भवन के मामले सुलझेंगे. कार्यस्थल पर अधीनस्थों के कार्य पर भी निगाह रखनी होगी. व्यापर में ग्राहकों के साथ कुछ कहा सुनी होने की आशंका है. आलस्य से बचना होगा.

कुंभ
दिन बढ़िया रहेगा. पराक्रम में वृद्धि होगी. कार्यस्थल पर टीम के साथ महत्वपूर्ण मीटिंग करनी पड़ सकती है. बिजनेसमैन को मुनाफा होने की संभावना है. दाम्पत्य जीवन को समय देना होगा.

मीन
दिन अच्छा रहेगा. वर्कस्पेस पर बॉस के साथ तालमेल बनाकर चलना होगा. व्यापार में लापरवाही न करें. नियमों का पालन करना होगा. पिता के बातों का अनुसरण करें और उनका सम्मान करें.

शहर में रात्रि में नियमित बिजली काटने के खिलाफ महाप्रबंधक को दिया ज्ञापन

कोलफील्ड मिरर 04 मई (धनबाद): धनबाद शहर के विभिन्न इलाकों में पिछले 15 दिनों से लगातार रात्रि में 11 बजे से तड़के सुबह 3 बजे तक बिजली काट दी जाती है। जिससे त्रस्त स्थिति में धनबाद के हरि मंदिर चिरागुड़ा चैंबर्स ऑफ़ कॉमर्स के तत्वावधान में एक प्रतिनिधिमंडल ने बिजली विभाग के महाप्रबंधक से मुलाकात कर उन्हें आशा से संबंधित ज्ञापन दिया।

इस वजह से हीरापुर हरि मंदिर, चिरागोड़ा माडा कॉलोनी, अजंता पड़ा, विनोद नगर आदि क्षेत्र में बिजली काट दी जाती है जिससे लोगों को रहना मुश्किल हो गया इसके तहत रात्रि में सोने का समय होते ही लाइट चले जाने से क्षेत्र के लोगों की नींद हराम हो गई है। विनोद नगर क्षेत्र में वोल्टेज कम रहने की भी शिकायत रहती है।

संबंधित मामले में त्वरित कार्रवाई की मांग की गई है। बिजली विभाग के महाप्रबंधक से जल्द से जल्द संबंधित ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की है मौके पर राजेश कुमार गुप्ता, बृजेश कुमार, एटी मुखर्जी तथा पंकज कुमार आदि शामिल थें।

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत गांव-गांव, शहर-शहर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 04 मई (धनबाद): आगामी लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के दौरान जिले में शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के मद्देनजर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त सुश्री माधवी मिश्रा के द्वारा मतदाता जागरूकता कोषांग को विभिन्न प्रतियोगिताओं, कार्यक्रमों आदि का आयोजन कर अधिक से अधिक मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने का निर्देश दिया गया है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी के निर्देशानुसार लोकसभा आम चुनाव 2024 में स्वीप कोषांग के तहत मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत आज दिनांक 03 मई 2024 को विभिन्न क्षेत्रों के विभिन्न बूथों में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जिसके तहत आज बलियापुर प्रखण्ड अन्तर्गत बीएलओ द्वारा 38-सिन्दरी विधानसभा अन्तर्गत विभिन्न बुथों के मतदाताओं के घर-घर जाकर मतदाता मार्गदर्शिका वितरण करते हुए उन्हें आगामी लोकसभा चुनाव 25 मई को मतदान करने हेतु प्रेरित किया गया। साथ हीं बलियापुर प्रखण्ड अन्तर्गत जगदीश पंचायत में सखी मंडल की दीदियों द्वारा मतदाताओं को शपथ दिलाकर रैली एवं रंगोली के माध्यम से मतदान करने हेतु प्रेरित किया गया।

वही बीसीसीएल के क्षेत्रीय कार्यालय पी० बी० एरिया में स्वीप कार्यक्रमअंतर्गत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत मतदान के लिए शपथ दिलाई गई। इस दौरान देश की लोकतांत्रिक परंपराओं की मर्यादा को बनाए रखने तथा स्वतंत्र निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अचूक्य रखते हुए निर्भीक होकर धर्म वर्ग जाति समुदाय भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने माताधिकार का प्रयोग करने हेतु सभी से अपील किया गया।

सिंदरी के बूथ नंबर 357 से 359 के बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर द्वारा पीडब्ल्युडी वोटरों को शपथ दिलाकर स्लोगन के माध्यम से जागरूक किया गया। इसके अतिरिक्त 419,420,423,424 के बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर द्वारा मतदाताओं को शपथ दिलाकर रैली के माध्यम से मतदान दिवस 25 मई को मतदान करने हेतु प्रेरित किया गया।

प्रखंड पूर्वी टुंडी में बुथ संख्या-109,110,111 में स्विप कार्यक्रम के तहत 50 वर्ष से 70 वर्ष तक के मतदाताओ के साथ रैली एंव शपथ दिलाई गई।

इसके अलावा जेएसएलपीएस की दीदियों द्वारा विभिन्न पंचायतों में स्वीप कार्यक्रम के तहत विभिन्न प्रकार की गतिविधियों की गई, जिसमें मेहंदी प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, फ्लोर गेम, शपथ ग्रहण आदि शामिल थे।

लो वोट टर्न आउट वाले क्षेत्र झरिया में स्वीप की गतिविधियां तेज करते हुए जगह-जगह चौक चौराहा आदि पर मतदाता शपथ ग्रहण समारोह, हस्ताक्षर अभियान, सेल्फी पॉइंट, रंगोली, मेहंदी, फ्लोर गेम, नुक्कड़ नाटक, रैली आदि के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है।

इसके अलावा कई विद्यालयों के प्रधानाध्यापक के नेतृत्व में विद्यार्थियों द्वारा साइकिल रैली गई। तथा मतदाताओं से वोट करने की अपील की गई।

साथ ही पूरे धनबाद जिला में स्वीप कोषांग अंतर्गत मतदाता जागरुकता के तहत चुनाव से संबंधित फ्लोर गेम, क्विज प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, मेहंदी प्रतियोगिता, जागरूकता रैली, समेत कई अन्य गतिविधियां की गई एवं लोगों को शपथ दिलाई गई। साथ हीं लोगों में स्वीप गतिविधियों के तहत सेल्फी स्टैंड में सेल्फी भी ली। इस दौरान स्वीप कोषांग द्वारा शपथ ग्रहण करवाते हुए निर्वाचन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने हेतु प्रेरित किया गया। उन्होंने लोकतंत्र को मजबूत करने हेतु मतदान के दिन अपने अपने मत का प्रयोग करने हेतु सभी से अपील किया।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बैठक कर सोशल मीडिया कैम्पेन को सफल बनाने हेतु दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

कोलफील्ड मिरर 04 मई (धनबाद): लोकसभा आम निर्वाचन में सभी निर्वाचकों को मतदान करने हेतु जागरुक करने के उद्देश्य से मैं भी इलेक्शन एम्बेसडर कार्यक्रम संचालित किया जाना है। जिसके तहत आगामी 7 मई की शाम 6 से 8 बजे तक सभी सोशल मीडिया पर #MainBhiElectionAmbassador कैंपेन संचालित किया जाना है।

जिसके निमित्त आज दिनांक 03 मई 2024 को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त सुश्री माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभागार में धनबाद जिला के विभिन्न स्टेकहोल्डर के साथ बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि इस दिन विभिन्न स्टेकहोल्डर्स के माध्यम से विभिन्न गतिविधियां होंगी, जिसका फोटो-वीडियो ट्विटर, फेसबुक, इंस्टग्राम और यूट्यूब पर हैशटैग के साथ अपलोड किया जाएगा। साथ ही सभी मतदान केंद्रों पर गठित बूथ अवेयरनेस ग्रुप की बैठक होगी एवं मतदाता शपथ भी दिलायी जाएगी। उसे धनबाद जिला निर्वाचन पदाधिकारी के एक्स, फेसबुक, इंस्टाग्राम व यू-ट्यूब हैण्डल्स पर टैग करें। फोटो व वीडियो राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी और केंद्रीय निर्वाचन आयोग को भी टैग करें।

इस दौरान उन्हीने विद्यालयों, महाविद्यालयों में स्वीप कार्यक्रम के माध्यम से वहां के बच्चों के साथ-साथ उनके अभिभावक को भी जागरूक करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही उन्हीने कहा कि शहरी क्षेत्रों में उदासीनता को दूर करने हेतु ज्यादा से ज्यादा स्वीप एक्टिविटी किया जाए। जिससे अधिकाधिक संख्या में लोगों को जागरूक कर उन्हें मतदान के महत्व के प्रति जागरूक किया जा सकें।

सभी विद्यालयों, महाविद्यालयों, संस्थानों में क्विज प्रतियोगिता, पेंटिंग, बैज, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता एवं अन्य जागरुकता गतिविधियों के अलावा बैग की बैठक, वीएएफ बैठक की वीडियो, क्षेत्रीय भाषा में जागरूकता, मतदाता प्रतिज्ञा आदि कार्यक्रमों को संचालित कर सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हैशटैग के साथ अपलोड करें।

साथ ही जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने स्वीप कोषांग के वरीय पदाधिकारी को जिले के सभी सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर, डिस्ट्रिक्ट आईकॉन और पीडब्ल्यूडी आईकॉन की वोट अपील आदि को रिकॉर्ड कर उसका सोशल मीडिया साइट्स पर व्यापक प्रचार-प्रसार करने हेतु निर्देशित किया। जिससे कि जिले में मतदान प्रतिशत बढ़ाया जा सकें।

सोशल मीडिया कैंपेन को सफल बनाने के लिए सभी की भूमिका अहम है। वहीं प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले विद्यार्थियों एवं सोशल मीडिया पर क्रिएटिव मतदाता जागरूकता गतिविधियों को पोस्ट करने वाले आमजनों के मनोबल को बढ़ाने हेतु उन्हें सम्मानित किया जाएगा।

अमित अग्रवाल ने मारवाड़ी युवा मंच झरिया शाखा के नए अध्यक्ष के रूप में लिया पद व गोपीनयत की शपथ

कोलफील्ड मिरर 04 मई (धनबाद): आज झरिया के लक्ष्मीनिया मोड़ स्थित अग्रेशन भवन में गुरुवार की शाम अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच झरिया शाखा का पद स्थापना समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मारवाड़ी समलेन के अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल, श्रीराम प्रसाद कटेसरिया, मारवाड़ी समलेन के पूर्व अध्यक्ष डॉ• ओमप्रकाश अग्रवाल, अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के उपाध्यक्ष नंदलाल अग्रवाल व झारखण्ड मारवाड़ी युवा मंच के मण्डल उपाध्यक्ष अजय तायल ने दीप प्रज्वालित कर की। प्रांतीय उपाध्यक्ष अजय तायल ने अमित अग्रवाल को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। इनके साथ ही साथ पूरी कार्यकरणी समिति ने पद की शपथ ली। जिसमे उपाध्यक्ष के रूप में रुपेश शर्मा, चेतन तुलस्यान, सचिव राजेश अग्रवाल व सहसचिव आशा बाजोरिया, अंकित तुलस्यान, कोषाध्यक्ष नीतू अग्रवाल, गौरव मोदी व जनसम्पर्क अधिकरी के रूप me दिनेश शर्मा ने शपथ ली।

अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के उपाध्यक्ष नन्दलाल अग्रवाल ने कहाँ की जिस तरह से सामाजिक कार्यों में मंच अब तक परचम फहराने का काम किया है आगे भी अमित अग्रवाल से उम्मीद है की रचनात्मक कार्य कर अपना अलग भूमिका बनाये व साथ ही साथ समाज में नई मिसाल कायम करेगी।

वही अमित अग्रवाल ने कहा कि मारवाड़ी युवा मंच विराट अनुष्ठान का आयोजन किया जाता रहा है समाज की गरीब बेटियों की शादी और पढ़ई के लिए मंच हर तरह से मदद करेगा साथ ही साथ मै सभी को आशा दिलाता हूं की मै झरिया शाखा की पूर्व गरिमा को कायम रखते हुए सभी सामाजिक कार्यों का निर्वाह करूंगा।

पूर्व में मारवाड़ी युवा मंच झरिया शाखा द्वारा चलाये जारहे जिम और सामूहिक विवाह कार्यक्रम व विवाह हेतु परिचय सम्मेलन चलाये जाते थे जो कुच्छ वर्षों से स्थगित है उसे पुनः प्रारंभ करने की अपील की गई नये अध्यक्ष अमित अग्रवाल से।

मतदान से पूर्व दोनों प्रत्याशियों को एक जगह बैठाकर मारवाड़ी समाज की और से धनबाद झरिया की समस्याओं और जरूरी मांगों पर वार्तालाप कर पर्तियाशी से एक वचन ले ताकि वो अपने वादे पर खड़े उतरे और काम करें मौके पर विशाल पलसानिया, गणेश अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, रमेश बंसल, अमित बाजोरिया, अजय अग्रवाल, आयुष जलान, स्वीटी अग्रवाल, अभिनाश अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, निखिल खंडेलवाल, अमित मोदी, आशीष अग्रवाल, रौनक अग्रवाल, नीरज अग्रवाल, सुमित खेतान, कविता अग्रवाल व समाज के अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

हेमंत सोरेन चाचा के श्राद्ध कार्यक्रम में होगें शामिल

कोलफील्ड मिरर 04 मई (धनबाद/ रांची): पूर्व सीएम हेमंत सोरेन पुलिस कस्टडी में अपने चाचा के श्राद्ध कार्यक्रम में होगें शामिल। 6 मई को कुछ घंटे कार्यक्रम में शिरकत करने की हाइकोर्ट ने दी अनुमति। वही औपबंधिक जमानत देने से किया इनकार, हेमन्त सोरेन मीडिया से बातचीत नहीं कर सकेंगे।

हाईकोर्ट ने हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के खिलाफ दायर याचिका को खारिज किया

कोलफील्ड मिरर 04 मई (राँची): हाईकोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के खिलाफ दायर याचिका को खारिज कर दिया है। हाईकोर्ट ने शुक्रवार को यह फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट के इस फैसले से हेमंत सोरेन को बड़ा झटका लगा है। करीब 66 दिन बाद आज शुक्रवार को कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया।

बीसीसीएल कर्मी की हार्ट अटैक से मौत

कोलफील्ड मिरर 04 मई (धनबाद): बरोरा एएमपी कोलियरी में द्वितीय पाली में कार्य के दौरान बी सी सी एल कर्मी छोटू बढ़ई का हार्ट अटेक से मौत हो गई, घटना के बाद परिजन व यूनियन प्रतिनिधियों ने नियोजन तथा मुआवजा की मांग करने लगे करीब दो घंटे बाद परिजनों के उपस्थित में महाप्रबंधक व यूनियन प्रतिनिधियों में वार्ता हुई जिसमें मृतक के बड़े पुत्र को तत्काल प्रोविजनल नियोजन देने पर सहमति बनी। वार्ता में एटक के क्षेत्रीय अध्यक्ष एनडी पाण्डेय, सचिव संतोष गोराई, बीसीकेयू के जेके झा, सहित अन्य मौजूद थे, मालूम हो कि मृतक घोराठी निवासी भाजपा नेता राजू शर्मा व पत्रकार पिंटू शर्मा के चाचा है।

कांग्रेस ने कभी आदिवासियों के बलिदान को सही सम्मान नहीं दिया - पीएम मोदी

कोलफील्ड मिरर 04 मई (धनबाद): सिंहभूम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, "सिंहभूम की धरती आदिवासियों की धरती है लेकिन कांग्रेस ने कभी आदिवासियों के बलिदान को सही सम्मान नहीं दिया। कांग्रेस आजादी का पूरा श्रेय सिर्फ एक परिवार को देना चाहती है... यह भाजपा है जिसने भगवान बिरसा मुंडा के जन्मदिन को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की शुरूआत की।

हरिओम सेवा संस्था ने गरीब लड़की की शादी में आर्थिक सहायता प्रदान की

कोलफील्ड मिरर 04 मई (धनबाद): हरिओम सेवा संस्था के द्वारा लड़की की शादी में 4000 रुपए का एक छोटा सा राशि देकर सहयोग करने का प्रयास किया गया। आपको बता दे की आमटाल के दिलीप गोराई जो की बहुत ही सामाजिक और मिलनसार व्यक्ति हैं। उनके पुत्री के विवाह में संस्था से कुछ सहयोग राशि की मांग की गई थी। इसी को देखते हुए संस्था के संस्थापक सदस्य प्रेमांशु पाल, प्रभास पाल, सूर्य गोपाल भट्टाचार्य, विनोद सिंह, मीडिया प्रभारी शीतल दत्ता, सचिव हारु बावरी, सक्रिय सदस्य शंकर दास, दिलीप चौहान, अध्यक्ष डॉक्टर स्वरूप चौधरी, भोला चक्रवर्ती, बबलू बावरी मुकेश महतो आदि के द्वारा इस कार्य में आगे आकर मदद करने का एक छोटा सा प्रयास किया गया। इस नेक कार्य के लिए विजय दत्ता, गोविंद बावरी, राणा प्रताप सिंह रॉकी, अमित, अविनाश, रंजीत, पिंटू, वरुण, अभय आदि सदस्यों ने संस्था के सदस्यों ने शुभकामनाएं देते हुए बधाई दी।

डीसीएलआर ने की मास्टर ट्रेनरों के साथ बैठक

कोलफील्ड मिरर 04 मई (धनबाद): प्रशिक्षण कोषांग के नोडल पदाधिकारी सह डीसीएलआर संतोष गुप्ता ने आज श्री श्री लक्ष्मी नारायण ट्रस्ट (एसएसएलएनटी) महिला महाविद्यालय में सभी मास्टर ट्रेनरों के साथ बैठक कर जीरो एरर चुनाव संपन्न करने के लिए रणनीति बनाई।

डीसीएलआर ने बताया कि लोकसभा चुनाव से पहले मतदान दलों को अंतिम चरण का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के पूर्व आज एसएसएलएनटी महिला कॉलेज में सभी मास्टर ट्रेनरों के साथ बैठक कर रणनीति तैयार की गई।

जिसमें गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण के लिए सभी मतदान दलों को डमी मैटेरियल उपलब्ध कराकर उसमें इंट्री करवाने के साथ साथ अन्य अभ्यास करवाने, ईवीएम व वीवीपैट पर पुनः हैंड्स ऑन करवाने पर जोर दिया गया।

निर्वाचन की प्रक्रिया में कोई चूक न हो इसलिए प्रशिक्षण के बाद प्रशिक्षणार्थियों का टेस्ट भी लेने का निर्णय लिया गया। बैठक में मास्टर ट्रेनरों की शंकाओं का समाधान किया गया।

मौके प्रशिक्षण कोषांग के नोडल पदाधिकारी सह डीसीएलआर संतोष गुप्ता, सामग्री कोषांग के नोडल पदाधिकारी सह जिला पंचायती राज पदाधिकारी मुकेश बाउरी, मुख्य प्रशिक्षक दिलीप कुमार कर्ण, संजय कुमार, राज कुमार वर्मा सहित अन्य प्रशिक्षक उपस्थित थे।

संविधान से खिलवाड़ नहीं करने देंगे- पीएम मोदी

कोलफील्ड मिरर 04 मई (धनबाद/ चाईबासा): पीएम मोदी ने कहा कि किसी भी हालत में वो संविधान से खिलवाड़ नहीं करने देंगे। जब तक मोदी जिंदा है, तुम संविधान को हाथ नहीं लगा पाओगे। तुम आदिवासियों, दलितों और ओबीसी के आरक्षण को हाथ नहीं लगा पाओगे। अलग झारखंड किसने बनाया, अटल बिहारी वाजपेयी ने बनाया। कांग्रेस ने झारखंड के लिए क्या किया है। झारखंड के विकास पर ब्रेक लगा देनी वाली कौन, कांग्रेस। कांग्रेस को ये मंजूर नहीं था कि यहां का संसाधन आपके काम आए। मौका था चाईबासा के टाटा कॉलेज मैदान में जनसभा को संबोधित करने का। अपने दो दिवसीय झारखंड दौरे के पहले दिन पीएम मोदी ने चाईबासा में भाजपा उम्मीदवार गीता कोड़ा के लिए लोगों से वोट की अपील की। पीएम ने कहा कि भाजपा और झारखंड का दिल का रिश्ता है। झारखंड को, यहां के लोगों की भावनाओं को अगर कोई समझता और सुलझाता है तो वह सिर्फ भाजपा है। हमें हमेशा पता होता है कि आपके मन में क्या है।

4 उम्मीदवारों ने किया नामांकन

कोलफील्ड मिरर 04 मई (धनबाद): लोकसभा चुनाव के लिए जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त माधवी मिश्रा के समक्ष आज 4 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किया। आज श्रीमती लक्ष्मी देवी, अनिन्दिता दास, मोहम्मद जहिरूद्दीन खान तथा सुनैना किन्नर ने नामांकन पत्र दाखिल किया। मौके पर उपायुक्त माधवी मिश्रा, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन, जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप कुमार शुक्ला व अन्य लोग मौजूद थे।

BHOLA ELECTRICAL
G.T.ROAD NEAMATPUR, AASANSOL WEST BENGAL–713359
ALL KIND OF ELECTRICAL JOB : CONTACT : 9064588166
SALES, SERVICE & CCTV CAMRA INSTALLATION,
HOUSE WIRING, MOTER & FAN WINDING

निर्दलीय प्रत्याशी डॉ• शत्रुध्न मंडल के समर्थन में जन जागरण अभियान

कोलफील्ड मिरर 04 मई (पटना): अररिया कोर्ट मे वंचित मुक्ति मोर्चा द्वारा अररिया लोक सभा क्षेत्र के निर्दलीय प्रत्याशी डॉ• शत्रुध्न मंडल का चुनाव चिन्ह अलमारी छाप, क्रमांक संख्या नौ पर है का प्रचार प्रसार के लिए एक जन जागरण अभियान चलाएं, कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रत्याशी डॉ• शत्रुध्न मंडल ने कहा आज देश मे दो विचार धारा की हवा चल रही है धर्म और संविधान, आप देख रहे है हमारे देश के प्रधान मंत्री जी कोई विकास के नाम पर वोट नहीं मांग रहे है। केवल हिन्दू, मुस्लिम, मंदिर, मस्जिद, भारत, पाकिस्तान इस से आगे बढ़ते नहीं है मैं वोट मांग रहा हूँ संविधान में मुझे जो अधिकार मिला है शिक्षा, रोजगार, स्वस्थ, और कृषि को कैसे विकसित करे जिस से हमारे देश से बेरोजगारी को दूर करे और अपने देश को आगे बढ़ाने के लिए योजना बनाऊँगा, फैसला आप को लेना है केवल धर्म से देश बढ़ेगा या रोजगार से एक तरफ बीजेपी जो पूँजीपति पार्टी है दूसरे तार फ मैं जो पढ़ा लिखा निर्दलीय प्रत्याशी हू चुनाव के समय बीजेपी वाले तरह तरह के वादा करेंगे लेकिन आपको झाँसा मे आना नहीं है। बिहार प्रदेश अध्यक्ष सह झारखंड प्रभारी रामा शीश चौहान ने कहा जब करो ना की बीमारी अपने देश मे चल रही थी तब डॉ शत्रुध्न मंडल जी ने अपने प्राण को दाव पर लगा के मरीजों की सेवा की है। गरीब लड़कियों की शादी मे हमेशा मदद करते रहते है उस ने कभी नहीं पूछा आप किस जाती से हो ऐसा प्रत्याशी को आप अपना वोट देकर दिल्ली जरूर भेजे आज देश मे पढ़े लिखे प्रत्याशी की जरूरत है बीजेपी प्रत्याशी दसवाँ पास और निर्दलीय प्रत्याशी MBBS, आपको किसे चुनाव करना है हमलोग आपके ऊपर छोड़ता हूँ।

डीआईजी ने रक्त दान करने वाले जवानों की प्रसंशा की

कोलफील्ड मिरर 04 मई (धनबाद): सीआईएसएफ के डीआईजी ने रक्त दान करने वाले जवानों की प्रसंशा की। आज कोयला नगर हिरक क्लब में रक्त दान शिविर आयोजन किया गया जिसमें सी आई एस एफ के महिला, पुरुष जवानों समेत कुल 52 युनिट रक्त दान किया गया। इस सराहनीय कार्य में भाग लेने वाले जवानों को क्षेत्रीय उप महानिरीक्षक विनय काजला ने प्रशंसा की। इस रक्त दान में कुल 52 लोगों ने भाग लिया जिसमें 45 सी आई एस एफ जवान, 2 बीसीसीएल कर्मी पांच आम लोगों ने भाग लेकर रक्त दान किया। यह कार्यक्रम में एस एन एम एम सी एच, शुल्य चिकित्सा के सहयोग से आयोजन किया गया है।

डी आई जी काजला ने कहा कि समाजिक कार्यों में भाग लेकर जवानों ने मानवता का परिचय दिया जिसका हम प्रसंशा करते हैं।

वैदिक संस्कृति और साहित्य वर्तमान परिपेक्ष्य में सार्थक

साहित्य वैश्विक धरातल में सर्वमान्य

कोलफील्ड मिरर 04 मई 2024: साहित्य सत्य की साधना शिवत्व की कामना और सौंदर्य की अभिव्यंजना है। शुद्ध, जीवंत एवं उत्कृष्ट साहित्य मानव एवं समाज की संवेदना और उसकी सहज वृत्तियों को युगों युगों तक जनमानस मैं संचारित करता आ रहा है और यही कारण है कि कालिदास, सूरदास, कबीर, प्रेमचंद, शेक्सपियर की कृतियाँ आज भी लोगों के मध्य अपनी रस सुधा से हृदय को भिगोती रहती है। राजनैतिक और भौगोलिक दृष्टि से विश्व कितने ही भागों में बट जाए, मतभेद और विवादों की खाई कितनी भी गहरी हो जाए, पर साहित्य धरातल पर सब सामान्य और एक हैं। दुनिया में मानव एक है। उनकी रचनाएं सभी जगह एक और समान है। यह भी सत्य है कि किसी भी देश की भाषा और साहित्य के अध्ययन के आधार पर वहां की सभ्यता संस्कृति के विकास का सहज विधि का अनुमान लगाया जा सकता है। साहित्य में मानवीय समाज के सुख-दुख, आशा निराशा, उत्थान पतन का स्पष्ट चित्रण होता है। साहित्य की इन्हीं विशेषताओं के कारण साहित्य कालजई और सास्वत होता है। मुंशी प्रेमचंद जी ने साहित्य को "जीवन की आलोचना" भी कहा है।

साहित्य एक स्वायत्त आत्मा है, और उसकी सृष्टि करने वाला भी ठीक से नहीं घोषणा कर सकता है कि उसके द्वारा रचे गये साहित्य की अनुगूंज कब और कहां तक जाएगी। इस तरह साहित्य का सत्य समाज की नैतिक चिंता है। समाज की विसंगतियों को दूर करने वाला एक बड़ा रक्षक भी है। प्राचीन मनीषियों द्वारा लिखा गया साहित्य अत्यंत आकर्षक एवं प्रिय इसलिए भी लगता है कि मनुष्यता का एक संपूर्ण चरित्र चित्रण होता है। साहित्य और संस्कृति एक दूसरे से गहरे जुड़े हुए हैं। मानवी जीवन की तरह साहित्य मैं भी संघर्ष और निरंतरता की निरंतरता समाहित होती है। समय और परिस्थिति की संस्कृति का प्रभाव साहित्य पर निरंतर परिलक्षित होता रहता है। यह साहित्य ही है जो वर्तमान को सामने रख भविष्य की रूपरेखा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। समाज की सुषुप्त विवेक शक्ति को जागृत कर समाज का दिशा दर्शन भी करता है। अपने समय की विसंगतियों को दूर करने के साथ ही गुणात्मक साहित्य सदैव प्रासंगिक बना रहता है। समाज और जनमानस को आलोक स्तंभ की तरह पल्लवित एवं प्रकाशित करता है। वर्तमान के भौतिक समय में जब मानवता और संवेदना की पीड़ा की गूंज सभी जगह फैली हुई है, ऐसे में सत साहिब से और अर्वाचीन संस्कृति दिशा दर्शन और माननीय संवेदनाओं को संबल देने में अत्यंत प्रासंगिक भी है। यह कतई कहने की आवश्यकता नहीं है कि श्रेष्ठ साहित्य वही है जो मनुष्य के भीतर और बाहर प्रासंगिक मूल्यों,संदेश और उद्देश्यों को समाए रखता है। कबीर दास रविंद्र नाथ टैगोर, शरद चंद, जयशंकर प्रसाद, रेणु, प्रेमचंद, शेक्सपियर, होमर, मिल्टन आदि का साहित्य जनमानस के मन में और जीवन में रच बस गया है। इन्होंने प्रतिभा सापेक्ष श्रेष्ठ रचनाएं समाज को दी हैं। और यही कारण है इनकी रचनाओं से संस्कृति की झलक स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। साहित्य सदैव सामाजिक प्रक्रिया के आर्थिक राजनीतिक और समकालीन विचारधारा से बहुत ज्यादा प्रभावित रहा है। उनको प्रभावित भी करता है। इस तरह साहित्य संस्कृति के परिपेक्ष में देश कालिक होता है। शाहिद आदर्शवादी हो या आशावादी इस संदर्भ में अलग-अलग विद्वानों के अलग-अलग मत हैं। इस जीवन की आपाधापी में जहां निराशा कुंठा और समाजिक अंधविश्वास का भ्रम फैला है। वहां आशावादी दृष्टिकोण साहित्य के दायित्व को और गहरा बनाता है। इन दोनों बातों के समाधान के लिए जयशंकर प्रसाद की चंद पंक्तियां बहुत ही प्रासंगिक होगी कि "जीवन की अभिव्यक्ति यथार्थवाद है और अभाव की पूर्ति आदर्शवाद। साहित्य की पूर्णता के लिए यथार्थवाद और आशावाद दोनों का समन्वित रूप होना चाहिए", वास्तव में संस्कृति साहित्य के लिए एक प्रेरणा है। और संस्कृति साहित्य पर समय और काल पर अवलंबित होती है। साहित्य और संस्कृति दूसरे एक दूसरे के निश्चित तौर पर पूरक हैं। वर्तमान संदर्भ में ज्यादा प्रासंगिक भी। आशा करते हैं कि हिंदी साहित्य वैश्विक फलक पर बहुत ही शीघ्र अपना परचम स्थापित करेगा।

संजीव ठाकुर
स्तंभकार, चिंतक
(विश्व रिकार्ड धारक लेखक)
रायपुर छत्तीसगढ़

आपको जिताएंगे

कोलफील्ड मिरर 04 मई 2024: "भैया जी! पिछली बार एक वोट के लिए आप दो हजार दिए थे। अब महंगाई बढ़ गई है। खर्च भी बढ़ गए हैं। और तो और कंपटीशन भी बढ़ गया है। अपने प्रतिद्वंदी पिछली बार एक वोट का तीन हज़ार दिए थे ऐसा सुनने में आया है। अब यह भी सुनने में आ रहा है कि इस बार वह छे हजार प्रति वोट देने की बात भी कर रहे हैं। ऐसे में आपको अपने वोट का रेट बढाना ही होगा। दो-तीन हजार में आजकल काम चलता कहां है? उसको आप पूरे पांच हजार कर लो और मान लो तो हम इस पर बात करते हैं।"

"अचानक रेट इतना बढ़ा दोगे तो कैसे चलेगा? हमको भी तो देखना होता है। इतना पैसा कहां से लायेंगे?"

"आपको पैसों की क्या कमी है भैया! अगर आप चाहे तो कुबेर को भी लोन दे सकते हैं। सोचिए इन पांच सालों में आपने कितना कुछ हासिल कर लिया है! कितना कुछ कमा लिया है! कितनी संपत्ति बना ली है। यह सब कैसे हुआ? हमारे वोट के बदौलत ही तो!"

"वह सब तो ठीक है! अच्छा मैं बात करता हूं। थोड़ा सोचने दो मुझे। लेकिन इसके बाद कोई और डिमांड नहीं होनी चाहिए हमको जिताने के लिए।"

"आप भी किस जमाने में हो भैया? उम्मीदवारी कंफर्म होते ही सबको यानी हम सब वोटरों को दावत देनी होगी बड़े पैमाने पर ताकि आप को दिखा सकें और अपनी बात मनवा सकें। उसमें दावत के बाद सभी को अच्छे अच्छे उपहार भी देने होंगे।"

"मतलब लुटा दें अपनी सारी कमाई?"

"जितना खर्चते हो, उससे हजार गुना तो हासिल हो जाता है इन पांच सालों में। कोई नई बात है का?"

"ठीक है! मैं इसलिए माने ले रहा हूं कि तुमने पिछली बार मुझे अपने पांच हजार वोटों से जितवाया था।"

"एक और बात मेरे साले साहब को सरकारी नौकरी, मेरी साली साहिबा को सरकारी राशन दुकान और मेरी पत्नी को सरकारी स्कूल में नौकरी दिलाना होगा।"

"मरवाओगे तुम मुझे। तुम्हारी मांगें तो बढ़ती ही जा रही हैं। इतना सब कैसे होगा भाई?"

"यह मेरा पर्सनल डिमांड है। इस बार तो साढ़े पांच हजार वोट मेरे पास हैं भैया जी। अब इतना तो मेरा हक बनता है न?"

"देखेंगे। कुछ करते हैं।"

"देखना दिखाना नहीं। बस करना है मतलब करना है।"

"ठीक है, दिला देंगे।"

"जनता को देने वाले आश्वासन मुझे मत दीजिए। चुनाव के पहले यह सब हो जाना चाहिए तभी..."

"तुम तो सीधे ब्लैकमेल कर रहे हो। ठीक है। चुनाव से पंद्रह दिन पहले यह सब कर दूंगा।"

"यह हुई न बात! बाहर अपने साथियों से कह दूं कि मामला फिट है और हम आपके साथ हैं।"

भैया जी कुछ कहने वाले थे कि उनका मोबाइल बज उठा। वे फोन उठाकर बात करते करते अचानक सोफे पर लुढ़क गए गश खाकर।

"क्या हुआ भैया जी?"

"इस बार मुझे आला कमान ने चुनाव का टिकट नहीं दिया रे।" और वे चुप हो गए।

"चलो साथियों! अब ये किसी काम के नहीं।" कहते हुए सारे बाहर चल पड़े। भैया जी अकेले सोफे पर पड़े पड़े सामने लगे पिछले चुनाव के बैनर पर "लोकतंत्र की मूल्यों की रक्षा और गरीबों की सामाजिक सुरक्षा के लिए भैया जी को बहुमत से विजयी बनाएं" पढ़ते पढ़ते नजर फेर लिए।

डॉ टी महादेव राव
विशाखापटनम (आंध्र प्रदेश)

गर्मी में भी अभी तक चुनावी ठंडी का अहसास क्यों है?

कोलफील्ड मिरर 04 मई 2024: दो चरण का चुनाव हो चुका है और अब 7 मई को तीसरे चरण में 96 सीटों के लिए मतदान की तैयारी है। लेकिन सब ओर से एक ही शिकायत सुनाई दे रही है कि अब तक लोकसभा चुनाव ने रंगत नहीं पकड़ी है। इसके प्रमुख रूप से क्या कारण हो सकते हैं, इस पर लोगों की अलग–अलग राय है।

इस बार अप्रैल का महीना सामान्य से तीन डिग्री तक अधिक गर्म रहा। उत्तर भारत से लेकर दक्षिण भारत तक सब जगह लोग अचानक बढ़ी इस गर्मी से बेहाल हैं। मौसम विभाग ने पहले ही बता दिया था कि इस साल अल नीना का असर है और तापमान सामान्य से अधिक रहेगा। अत्यधिक तपिश और गर्म हवाओं के थपेड़े के कारण न तो नेता और न उनके प्रचार करनेवाले कार्यकर्ता बाहर निकल रहे हैं और न ही मतदाताओं में कोई उत्साह दिख रहा है। मतदान का प्रतिशत भी पिछले चुनावों की अपेक्षा कम ही हो रहा है।

उत्तर भारत में अभी जहां वोटिंग हुई या अगले चरणों में होनेवाली है वहां सुबह 9 बजे के बाद और शाम के 5 बजे तक घर से निकलनेवाले हालात ही नहीं है। इसका असर आम चुनाव पर भी पड़ा है और नेता, कार्यकर्ता, मतदाता सभी सुस्त नजर आ रहे हैं। सिर्फ बड़े नेताओं की बड़ी रैलियों तक ही चुनाव प्रचार सिमटकर रह गया है।

किसी भी राज्य का चुनाव हो या फिर लोकसभा चुनाव उसमें चौक चौराहों की बैठकी, चाय पान की दुकान पर चर्चा ही राजनीतिक माहौल बनाते आये हैं। लेकिन जैसे जैसे सोशल मीडिया का प्रसार बढ़ा है, ऐसी चर्चाओं पर असर पड़ा है। जो चर्चाएं लोगों के बीच होती थी, अब वह फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, यू ट्यूब और वाट्सएप्प पर होने लगी हैं। टीवी डिबेट की जगह यू ट्यूब पर ग्राउण्ड रिपोर्टिंग अधिक प्रभावी होती जा रही है। इसके साथ ही लोग अपनी अपनी सुविधा अनुसार कहीं ट्विटर (एक्स) पर बिजी हैं तो कहीं वाट्स एप्प पर।

ट्विटर के रोज बनने बिगड़नेवाले ट्रेन्ड जहां बौद्धिक लोगों को उलझाये हुए हैं, वहीं जन सामान्य वाट्सएप्प मैसेज फारवर्ड करके अपनी राजनीतिक सक्रियता दिखा रहा है। लेकिन इनमें सबसे बड़ा खतरा है विश्वसनीयता का। एक वर्ग ऐसी चर्चाओं का हिस्सा जरूर है लेकिन इसमें फेक न्यूज का भी प्रसार धड़ल्ले से हो रहा है। इसके कारण इन चर्चाओं और बहसों पर विश्वसनीयता का सबसे बड़ा संकट है। फिर भी सोशल मीडिया के अत्यधिक प्रभावशाली होने का असर भी इस आम चुनाव की सरगर्मी को ऑफलाइन से हटाकर ऑनलाइन की ओर ले गया है।

इस बार के आम चुनाव में एक और ट्रेन्ड जो साफ साफ दिखाई देने लगा है, वह यह कि इस बार का चुनाव नेतृत्व चुनने का चुनाव नहीं है। इस बार सारा जोर उम्मीदवारों पर है। कहने के लिए यह आम चुनाव जरूर है लेकिन बीते दो दशक में ऐसा पहली बार दिखाई दे रहा है कि जनता की रुचि राष्ट्रीय नेतृत्व से ज्यादा स्थानीय उम्मीदवार में है। इसीलिए इस बार का आम चुनाव मोदी या राहुल गांधी में से किसी एक को चुनने का चुनाव नहीं है। जनता मानों उस दृष्टिकोण से इस चुनाव को देख ही नहीं रही है। इस बार स्थानीय उम्मीदवार पर सारा जोर है। इसलिए सीट दर सीट चुनावी गणित बन बिगड़ रहे हैं। मतदाता भी स्थानीय उम्मीदवारों को लेकर ही चर्चा कर रहे हैं।

निर्वाचन आयोग ने अपनी सुविधा और संसाधनों को देखते हुए इस बार 7 चरणों में चुनाव करवाने का फैसला किया है। अभी तक जो दो चरण हुए हैं उसमें 19 अप्रैल को 102 और 26 अप्रैल को 89 सीटों के लिए मतदान हुआ है। ये सीटें भी कई राज्यों में फैली हुई हैं। कुछ राज्यों में तो ऐसा हो रहा है कि बड़ा राज्य होने के बावजूद वहां एक चरण में पांच से आठ सीटों के लिए मतदान हुआ है। इसलिए भी चुनाव में सरगर्मी नहीं आ रही है।

कम चरणों में चुनाव होने से एक राष्ट्रव्यापी माहौल बनता है और सब उसमें शामिल होते हैं। अगर चुनाव को लंबा खींचा जाए तो मतदाता में ही कोई उत्साह नहीं बचता है। इसलिए भी इस बार आमचुनाव का माहौल अभी तक नहीं बन पाया है। आनेवाले चरणों में तो पांचवे में 49, छठे में 57 और सातवें में 57 सीटों के लिए मतदान होगा। इससे चुनाव का राष्ट्रव्यापी माहौल आगे चलकर बन ही जाएगा, इसमें भी संदेह है।

इस बार के आम चुनाव में राष्ट्रीय मुद्दों का घोर अभाव है। कांग्रेस की ओर से मोदी सरकार के खिलाफ कोई ऐसा मुद्दा नहीं उठाया गया है जिस पर राष्ट्रव्यापी चर्चा हो। दूसरी ओर भाजपा ने राम मंदिर को जरूर राष्ट्रव्यापी मुद्दा बनाने का प्रयास किया लेकिन उसमें भी उन्हें सफलता मिलती नहीं दिख रही है। इसलिए भाजपा की ओर से जहां कांग्रेस के मुस्लिम तुष्टीकरण को एक बार फिर उठाया जा रहा है, वहीं कर्नाटक में देवगौड़ा के पोते प्रज्ज्वल रेवन्ना की सेक्स सीडी को कांग्रेस अब राष्ट्रव्यापी मुद्दा बनाने में लग गयी है। उसका पूरा इकोसिस्टम इसे राष्ट्रव्यापी स्तर पर उठाना चाहता है, क्योंकि बीजेपी कर्नाटक में जेडीएस की साझीदार है और प्रज्ज्वल भी चुनावों में उम्मीदवार है।

इस बार के आमचुनाव में यह भी एक ऐसा फैक्टर है जिसने चुनाव की सरगर्मी को कम किया है। एक ओर सत्ताधारी भाजपा है जो यह मानकर चल रही है उसको मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार भी बंपर बहुमत मिलनेवाला है। दूसरी ओर कांग्रेस सहित अन्य लगभग सभी क्षेत्रीय पार्टियां इसी मनोवैज्ञानिक दबाव में फंसी हुई हैं कि जब भाजपा जीत ही रही है तो बहुत मेहनत करके भी क्या हासिल होगा?एक ओर जीत के प्रति आश्वस्त भाजपा कार्यकर्ता भी शिथिल पड़े हुए हैं तो दूसरी ओर विपक्षी दलों के नेता और कार्यकर्ता खुद को हारा हुआ मानकर चल रहे हैं। विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया के कारण भी विपक्षी पार्टियों में तालमेल नहीं बैठ पा रहा है। इसका असर भी चुनाव की सरगर्मी पर पड़ा है।

इनके अलावा और भी कई कारण हैं जिसका असर इस बार के आम चुनाव पर पड़ा है। यह सीजन शादी विवाह का सीजन भी होता है और गर्मी की छुट्टियों का भी। इसलिए ग्रामीण मतदाता जहां अपनी खेती और सामाजिक कामों में व्यस्त रहता है वहीं शहरी मतदाता गर्मी की छुट्टियां होते ही सैर सपाटे पर निकल जाता है।

बहरहाल, उम्मीद करनी चाहिए कि तीसरे चरण के बाद से चुनावों में सरगर्मी आयेगी। भाजपा खेमे से आ रही कम सीटों की आहट ने न केवल भाजपा कार्यकर्ताओं को सक्रिय किया है बल्कि विपक्षी पार्टियों में भी नया जोश आया है। इस सबका असर चुनाव के शेष रहे चरणों पर जरूर होगा और उम्मीद करनी चाहिए कि मतदान का अंत उतना फीका नहीं रहेगा जितनी फीकी इसकी शुरुआत रही है।

अशोक भाटिया

आस्था, भक्ति और मानवता के अनन्य अनुयाई भक्त शिरोमणि श्री सेन जी महाराज

कोलफील्ड मिरर 04 मई 2024: सेन जी महाराज ने स्वामी रामानंद जी से दीक्षा लेकर भक्ति मार्ग और मानव सेवा के मार्ग को को अपनाकर मानवता के सेवा में अपना सारा जीवन व्यतीत किया। इन्होंने शिक्षा के प्रचार-प्रसार का भी काफी कार्य किया। सेन जी महाराज का जन्म विक्रम संवत 1557 में वैशाख कृष्ण द्वादशी दिन रविवार को वृत्त योग तुला लग्न में हुआ था। अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार तेरहवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में मध्यप्रदेश के उमरिया जिले अंतर्गत बांधवगढ़ (सेनपुरा) में हुआ था। आज इनके 717वीं जन्म जयंती मनाई जा रही है। इनको बचपन में नंदा के नाम से पुकारा जाता था। इनके पिता का नाम श्री चंद और माता का नाम सुशीला देवी था!

संत सेन जी का विवाह मध्यप्रदेश के विजयनगर राज्य के राज वैद्य शिवन्या की सुपुत्री गजरा देवी के साथ संपन्न हुआ। इनके दो पुत्र और एक पुत्री मानी जाती हैं। सेन जी महाराज बहुत ही दक्ष और कार्यकुशल थे। शिक्षा में भी रुचि को देखते हुए बांधवगढ़ के महाराज ने इन्हें अपनी सेवा में रखा था। वहीं यह साधु संतों के सत्संग और समाज कार्य में रुचि भी लेने लगे थे। श्री सेन जी महाराज सत्संग और साधु संतों के सानिध्य में मानव सेवा और शिक्षण के कार्यों में काफी आगे बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने लगे। साथ ही अपने जीविका उपार्जन के लिए भी राज दरबार में अपनी सेवाएं जारी रखी थी इनके कार्यों से राजदरबार के सभी ओहदेदार और महाराज भी काफी प्रसन्न रहते थे।

"राम सीतावली", में रीवा नरेश महाराजा रघुराज सिंह ने इनके लिए लिखा भी है-----

"बांधवगढ़ पूरब जो गायों सेन नाम
नापित तह पायों।
ताकि रहे सदा यही रीति, करत रहे
साधन सो प्रीति।
करें सदा तिनकी सेवा का ही, मुकर
लगावें, तेल लगाई।।

श्री सेन जी महाराज श्री हरि विष्णु, राम सीता, एवं हनुमान जी की उपासना में हमेशा रत रहते थे। वह सत्संग करते एवं साधु संतों की सेवा में लीन रहकर अपनी रचनाओं यानी कविताओं की कृतित्व में भी रमे रहते।

इनकी भक्ति के संबंध में इतिहासकार कहते हैं की बघेलखंड के बांधवगढ़ में एक परम उदार और संतोषी विनयशील सेन नामक व्यक्ति जो नाई जाति के थे, वे निवास करते थे। संत सेन की भक्ति के बारे में यह उल्लेख है कि वह राज परिवार की सेवा के लिए नित्य राजदरबार और राजमहल में आते जाते थे। वे नित्य मेहनत और सेवा करके अपनी आजीविका के साथ साथ साधु संतों की सेवा में तल्लीन रहते थे। राजा और नगरवासी उनकी नि:स्पृहता ,सेवा और सज्जनता से काफी प्रसन्न और उनकी सराहना करते थे! संत सेन रोज सुबह स्नान ध्यान और भगवान की सेवा के पश्चात ही राजभवन के लिए जाते थे। जहां वे राजा और राजवंश के लोगों के कृपा पात्र बनकर उनके बाल बनाना और तेल मालिश पश्चात स्नान कराना उनके नित्यकर्म में था। संत सेन, भगवान के महान कृपा पात्र भक्त और विनय शील परम संतोषी व्यक्तित्व के थे। एक दिन उन्होंने देखा कि एक भक्त मंडली भगवान के नाम की मधुर स्वर में संकीर्तन कर रही है। तब वे अपने आप को रोक ना सके और संकीर्तन मंडली में शामिल व तल्लीन हो गए। इस बीच उन्हें यह भी ध्यान नहीं रहा कि उन्हें नित्य की तरह अपने राजा महाराज वीर सिंह के कार्य के लिए राजभवन में जाना है।

उधर राजभवन में महाराज महावीर सिंह उनके प्रतीक्षा में बैठे हुए थे। और इधर संत सेन साधु संतों की सेवा भावना में लगे हुए थे। ऐसी विषम स्थिति देखकर के" प्रभु" ने स्वयं सेन के रूप में महाराज महावीर सिंह और राज परिवार के सम्मुख उपस्थित होकर उनके सारे कर्तव्यों को संपादित किया। प्रभु ने संत सेन के रूप में अपने कंधे पर गमछा, कैंची ,दर्पण और अन्य सामानों के साथ पेटी लटका रखी है। उनके मुख पर अलौकिक तेज और विलक्षण मुस्कान विराजमान है। उन्होंने राजा के सिर पर तेल लगा कर ,मालिश कर और फिर दर्पण दिखाकर उन्हें संतुष्ट किया। भगवान लीला बिहारी के मालिश और सेवा से राजा ने असीम संतुष्टि का अनुभव प्राप्त किया। लीला बिहारी के कोमल हाथों से ऐसी संतुष्टि जो उन्हें मिली वह पूर्व में कभी नहीं प्राप्त हुआ था। राजा को लगा कि आज सेन के रूप में कोई अलौकिक शक्ति ही आई है उन्हें महसूस हुआ कि यह तो कोई दिव्य आत्मा है ,जिनके छूते ही उन्हें परम आनंद और संतुष्टि की अनुभूति हुई थी।

भक्त और संकीर्तन मंडली के जाने के बाद संत सेन को अकस्मात यह ज्ञात हुआ कि -अरे उन्होंने तो अपने राज दरबार के कर्तव्यों को ही भूल कर भयंकर गलती कर दी थी! महाराज की सेवा में उपस्थित ना होकर उन्होंने बडी भूल कर दी। वे तत्काल राजा की नाराजगी को सोचते हुए अपने सारे साथ समान को उठाकर राजभवन की ओर चल पड़े। राजभवन में जब घबराए हुए संत सेन को सैनिकों ने देखा तो उन्होंने पूछ लिया कि क्या बात है? आप कुछ भूल रहे हैं, या कुछ गलती हो गई कि जिससे आप ऐसे घबराए अवस्था में दौड़े आ रहे हैं! तब उन्होंने सैनिकों को बताया कि मैं आज भक्तों और साधु संतों के संगत में इतना तल्लीन हो गया था कि निर्धारित समय में मैं महाराज की सेवा में उपस्थित ही नहीं हो पाया। और महाराज की नाराजगी के भय में मैं दौड़ा चला आ रहा हूं। तब सैनिकों ने आश्चर्य से भर कर कहा कि सेनजी आप तो कब का आ करके अपना काम कर दिए हैं। आपने तो आज अपने कार्य से राजा को परम संतुष्टि दी जिससे राजा बहुत प्रसन्न है। और इसकी तो सारे नगर में चर्चा हो रही है। यह सुनकर सेन संत को भारी आश्चर्य हुआ और वे इस बात पर आश्चर्य चकित हो उठे।

संत शिरोमणि सेन जी की रचनाए-

संत शिरोमणि सेन जी महाराज ने हिन्दी, मराठी, गुरुमुखी और राजस्थानी में सेन सागर ग्रंथ रचा, जिसमें एक सौ पचास गीतों का उल्लेख मिलता है। गुरुग्रंथ साहब में भी सेन जी के कुछ पद संकलित है। संत शिरोमणि सेन जी महाराज आध्यात्मिक गुरू एवं समाज सुधारक के साथ उच्च कोटि के कवि भी थे। पंजाबी भाषा (गुरूमुखी) में हस्तलिखित सेन सागर ग्रंथ उपलब्ध है। कहा जाता है कि इसकी एक फोटो प्रतिलिपि देहरा बाबा सेन भगत प्रतापपुरा जिला जालंधर पंजाब में सुरक्षित रखी गई है। इसमें दो प्रकार की रचनाए दर्ज है। पहली रचनाओं में संत सेन जी की वाणिया दर्ज है। जिनकी मूल संख्या बैंसठ है। दूसरी रचना सेन जी के जीवन से संबंधित श्रद्धालु भक्त या किसी परिवार के सदस्य द्वारा लिखी गई है। सेन सागर ग्रंथ सबसे प्राचीन ग्रंथ माना जाता है। इतिहासकार एच0एस0 विलियम ने अपने शब्दों में अभिव्यक्त करते हुए कहा था कि सेन संत जी उच्च कोटि के कवि थे। उनकी अलग अलग भाषाओं की रचना उनकी विद्वता को प्रमाणित करती है। उनकी मधुर रचनाऐं तथा भजन बडे मनमोहक व भावपूर्ण थे। सेन जी अपनी वाणी में लिखते है:- ' सब जग ऊंचा, हम नीचे सारे। नाभा, रविदास, कबीर, सैन नीच उसारे।। "सेन सागर ग्रंथ में सेन जी भगत रविदास जी साखी"
वही येप भगतावली में लिखते है: 'रविदास भगत ने ऐसी कीनी, ठाकुर पाया पकड अधीनी

तुलसी दल और तिलक चढाया, भोग लपाया हरि धूप दवायां सेन दास हरिगुरू सेवा कीनी, राम नाम गुण गाया।।' इनके साहित्य की सबसे बड़ी उपलब्धि भी गुरूग्रंथ साहिब में आपकी वाणी का दर्ज होना। जिससे आपको बहुत बडा सम्मान प्राप्त हुआ और सेन समाज का भी गौरव बढा है। गुरूग्रथं साहिब में जहां सिक्खों के सभी गुरूओं की वाणिया दर्ज है। वही सभी संतों को इसमें सम्मान दिया गया है। जिसमे रविदास व कवीरदास के साथ साथ सेन जी महाराज भी एक है। सेन जी द्वारा रचित बहुत सी रचनाए गुरूग्रथं साहिब में संग्रहित हैं। संत शिरोमणि श्री सेन जी महाराज ने अपना देह त्याग सन 1440 इस्वी में किया था।

सुरेश सिंह बैस "शाश्वत"

चुनाव में महिलाओं की महती भूमिका

कोलफील्ड मिरर 04 मई 2024: हमारे भारत देश में समय के साथ महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक स्तर में भी विस्तार हुआ है। अब महिला सशक्तिकरण के बाद महिलाओं के लिए आरक्षण और उनकी हर क्षेत्र में भागीदारी बढ़ाने के लिए वर्तमान सरकार तत्परता से काम कर रही है। घर की चौखट से चौपाल तक उनकी भूमिका अहम हो रही है। घर परिवार को सहेजने -संवारने की सोच रखने वाली स्त्रियों को लोकतंत्र के महाउत्सव कहे जाने वाले आम चुनाव में भी संविधान द्वारा दिए गए अनमोल अधिकार यानि मताधिकार का प्रयोग सजगता और जागरूकता के साथ करना होगा। यह सही है कि वर्षों से अपनी सम्मानजनक स्थिति के लिए संघर्ष करने वाली महिलाएं राष्ट्र की गरिमा जैसे हर पहलू पर सोचने विचारने लगी हैं।

समानता, सुरक्षा और अपना अस्तित्व संवारने के लिए महिलाओं ने तेजी से अपने कदम बढ़ाने शुरू कर दिए हैं। बदलाव के यह संकेत स्त्रियों की बढ़ती अभिरुचि की बानगी है। वैसे तो हमारे देश में महिलाएं राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, लोकसभा अध्यक्ष, विपक्ष की नेता जैसे महत्वपूर्ण पदों पर आसीन होकर अपनी भूमिका सफलतापूर्वक प्रदर्शित कर चुकी है। इसके बावजूद भी राजनीति के क्षेत्र में महिलाओं का प्रतिशत पुरुषों की तुलना में काफी कम है। अंतरराष्ट्रीय संस्था अंतर संसदीय यूनियन के 2011 के आंकड़ों के अनुसार महिलाओं की हिस्सेदारी के मामले में भारत विश्व में 98वें नंबर पर था। जबकि दुनिया के कई पिछड़े एवं निर्धन देश की संसद में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 30 से 50 फ़ीसदी तक है। ऐसे में यह आबादी की संवेदनशीलता का नतीजा है कि अब कई राजनीतिक पार्टीयां महिलाओं को उम्मीदवार बनाने में दिलचस्पी दिखा रही हैं।

बात चाहे महिला वोटरों की संख्या में इजाफा होने की हो या राजनीति में महिलाओं के बढ़ते दखल की, स्त्रियां सूझबूझ से अपने हक पाने और दायित्व निभाने की सोच में आगे बढ़ रही है। अब हमारे देश की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती महिलाएं कर्मशीलता और प्रतिभा के मामले में किसी भी तरह से कम नहीं समझी जा सकती। देखने में आ रहा है कि इस बार बड़ी संख्या में औरतें वोट देने के लिए घरों से बाहर निकल रही हैं उनकी लंबी-लंबी पंक्तियां मतदान केंद्रों के बाहर लगी हुई है, जो यह बताती हैं कि महिला वोटरों में अपने मत की कीमत का एहसास काफी बढ़ गया है। आज अपनी ताकत को पहचान कर यह वर्ग निर्णयात्मक भूमिका में साबित कर देने पर आमादा है। गांव की महिलाओं के लिए उल्लेखनीय विषय है कि वह अपने चूल्हे चौके के कामों से लेकर खेती किसानी के काम में जी जान से लगने के बावजूद कहीं अपना हक पाने में कमजोर पड़ रही है। आज महिलाओं का सक्रिय रूप से सामाजिक, राजनीतिक गतिविधियों में हिस्सा लेना प्रामाणिक रूप से बतला रहा है कि बदलाव के स्वर पूरे परिदृश्य को बदलने में अग्रेसित हो रहे हैं। इसकी परिणीति के रूप में हमें नजर आता है कि राजनीतिक दलों द्वारा महिला सुरक्षा व कल्याण के लिए वादे-इरादे स्पष्ट रूप से जनता तक पहुंचाए जा रहे हैं। बिना महिलाओं की योजनाओं के कोई भी घोषणा पत्र पूर्ण नहीं माना जाता। उनके उत्थान के लिए सामाजिक भागीदारी और सम्मान के विषय पर जोर दिया जा रहा है।

बदलते परिवेश को देखते हुए नेताओं द्वारा अपने भाषणों के माध्यम से इस मंतव्य को एक आंदोलन के रूप में जन चेतना व जागृति का बताकर महिला वोटरों की संख्या बढ़ाने में दिलचस्पी भी ली जा रही है। गौरतलब है कि सन 1962 के चुनाव में महिलाओं की कुल जनसंख्या में से केवल 47% महिलाओं ने ही मतदान किया था। 2014 में यह प्रतिशत बढ़कर 66% हो गया, जो कि भारत की आबादी का लगभग 48% हिस्सा है। महिलाओं की संवेदनाओं को देखते हुए 2019 में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में गंभीरता से सोचते हुए सभी राजनीतिक दलों द्वारा उनका रुझान चुनाव में बढ़ाने के लिए सुरक्षा, स्वरोजगार समूह, महिला एवं बाल विकास की परियोजनाओं, बेटी के जन्म पर प्रोत्साहन, बेटियों के विवाह में सरकारी सहायता, विशेष वजीफा जैसी आकर्षक योजनाओं को जनता के बीच लाया जा रहा है। देश में महिला सशक्तिकरण के माध्यम से महिलाओं को पुरुषों के बराबरी का दर्जा दिलवाने में अपनी विचारधारा को दर्शाकर शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, सुरक्षा और मानवीय अधिकारों के स्तर पर भी महिलाओं के साथ हो रहे भेदभाव को मिटाने की प्रत्यंचा चढ़ाई जा रही है।

परिवर्तन के इस दौर में महिलाओं की सियासी भागीदारी, जनता के सहयोग, व्यवहार और सकारात्मक नजरिया को भी अहम मानते हुए यह अपेक्षित समझा जा रहा है। स्वतंत्र अस्तित्व बढ़ाने और उसे कायम करने के संकल्प नागरिकों के संवैधानिक अधिकार के रूप में स्वीकारें जाने लगेहैं। महिलाओं को इस वक्त में कमतर आंकने की बजाय उनकी क्षमता और योग्यता पर भरोसा जताना, सराहनीय कदम होगा। इस तरह विरोधाभासी स्थितियों से निपटते हुए महिलाओं का आगे बढ़ना और स्वतंत्र सोच के बल पर एक वोटर के रूप में उसे दायित्वों का एहसास करना इस वक्त की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इसके लिए एक बड़ा सामाजिक परिवर्तन अवश्यंभावी है। जिसकी झलक हमें चुनावों में वोट प्रतिशत के स्तर में इजाफा करके ही समझ में आ सकती है। जितनी महिलाओं को इस बार प्रत्याशी के रूप में चुनाव में हिस्सा लेने का अवसर प्राप्त हुआ है, वह आशानुरूप कम नजर आ रहा है। परंतु यदि मतदान में बढ़ चढ़कर महिलाएं अपनी ताकत का एहसास कराती है तो समानता से जीने के अधिकार के विषय में भविष्य सुनहरा नज़र आ सकता है।

डॉ. मनीष दवे
महालक्ष्मी नगर, इंदौर

भक्त बने जा रहे हैं

व्यंग्य

कोलफील्ड मिरर 04 मई 2024: आज पुराना ज़माना पहले से ज़्यादा असर लिए लौट आया है। हो भी क्यों न पहले हमारी जनसंख्या कितनी थी? अब तो कई कई गुना बढ़ जो गई है। संख्या के अनुपात में ही सारा कुछ बढ़ गया है। बेरोजगारी, ग़रीबी, अच्छी बातों की कमी और इंसानियत में गिरावट। छोड़िए इन बातों से आप मुझे राजनीति के दलदल में घसीटने लगेंगे। मैं पुराने जमाने के चारण भाटों के बारे में कहना शुरू किया था जिन्हें आजकल नए नाम से पुकारते हैं भक्त या चमचा।

भगवान के सही भक्तों का इससे कुछ लेना देना नहीं है। आज कल चारण भाट या भक्तों की तादाद इतनी ज़्यादा है कि लगभग हर चौथा व्यक्ति भक्त या चमचा है किसी न किसी व्यक्ति (भगवान नहीं) का। कोई नेताओं का भक्त है जो अपने प्रिय नेता (जिन्होंने भले ही इन्हें कभी लाभ न पहुंचाया हो पर सामने वाले को गरियाना है की तर्ज़ पर) पर मक्खी भी बैठने नहीं देता, तो कोई अपने बॉस का चमचा है, जिससे उसका सीआर अच्छा होगा और रेटिंग पर प्रमोशन मिलेगा। कोई अपने मकान मालिक का भक्त है ताकि किराया न बढ़ाए बार बार, खाली करने को न कहे और मकान मरम्मत समय पर करता रहे तो कोई अपने साथी का चमचा है। साथी का चमचा पारस्परिक चमचों का युगल होता है। इससे उसे और उससे इसे थोड़ा बहुत फायदा किसी न किसी रूप में पहुंचता रहता है। "मैं तेरी थपथपाता हूँ तू मेरी थपथपा–पीठ" वाली तर्ज़ पर खतरनाक सीमा तक एक दूसरे की पीठ थपथपाते हैं निर्लज्जता के साथ कि देखने वालों को तो समझ में आता है पर इस थपथपाई से लाल हो चुकी पीठ के साथ भी असीम अलौकिक आनंद प्राप्त करते रहते हैं। गुरुओं या शिक्षकों या आचार्यों के भक्तों की भक्ति के आगे बड़े बड़े भक्त फ़ेल हैं। आखिर स्नातक, स्नातकोत्तर या शोध जो बिना किसी विघ्न के पूरा करना होता है।

सबसे नाज़ुक हालत होती है कन्या मित्र अजी वही गर्ल फ्रेंड के भक्त की। भले ही वह शूर्पनखा की सगी हो या सुरसा की सिस्टर, भक्त चमचा रूपी प्रेमी उसे रंभा, उर्वशी ही मानकर नित उसकी आरती उतारता रहता है क्योंकि यह बंदा भी तो लगभग वैसा ही होता है। रही बात विवाहित पुरुष की तो वह नौकरी और शादी के बाद इन सारे चमचों यानी भक्तों के प्रतिनिधि के रूप में अपने कर्तव्य का निर्वाह करता रहता है। दफ्तर में बॉस, घर पर पत्नी, घर के लिए मकान मालिक, उधार पाने के लिए दोस्त, कभी कभी लिफ्ट के लिए पड़ोसी ये कुछ ऐसे शख्स हैं जिनसे आपको संबंध मधुर बनाए रखना होता है। जी रूढ शब्दों में कहें तो उनका चमचा होना होता है। रीढ़ की हड्डी वाला मानव मेरे बात भले ही न माने लेकिन उनके ऊपरी तले में जो दिमाग है और सीने में जो परेशान दिल है, मेरी बात माने बिना नहीं रहेंगे।

वैसे गिरधर कविराय ने ज़रूर कुछ लोगों से बैर न लेने को कहा है। गुरु, पंडित, कवि, मित्र, पुत्र, स्त्री, पांवरिया, यज्ञ–कराने वाला, राजमंत्री, पुरोहित, पड़ोसी, वैद्य, रसोइया। इन तेरह लोगों में से हमने कुछ लोगों को कवर किया अपनी बातों में लेकिन मेरा अनुभव कहता है कि जो बचे लोग हैं उनमें अधिकतर दान दक्षिणा, पत्रम पुष्पम तोयम यानी रिश्वत रूपी पैसे देकर उनसे दुश्मनी से बचा जा सकता है। चारण भाट या चमचा या भक्त जैसी कोई बात नहीं, बस अपना काम पूरी नम्रता से निकालना होता है।

वर्तमान में हालत यह है कि अगर आप भीड़ में पत्थर फेंको तो किसी न किसी भक्त को लगेगा ही। मेरे कहने का मतलब है कि भक्तों कि संख्या निरंतर बढ़ती ही जा रही है। कौन आम आदमी से कब किसी का भक्त हो जाये आपका विधाता भी नहीं बता सकता। कल तक हमारे विधायक को अपने शहर की समस्याओं के लिए गालियां देता मेरा पड़ोसी आज सुबह से उस विधायक के गुणगान करते हुये भक्त बन गया। पता चला कि विधायक महोदय ने पड़ोसी के अध्यापक साले साहब का मनचाहे जगह पर प्रमोशन के साथ ट्रान्सफर करवा दिया। अब पड़ोसी मीरा बन कर उस विधायक पर भजन गाना शुरू कर दिया है। यह तो एक उदाहरण है। ऐसे कई कई लोग आपको आस-पड़ोस में मिल जाएँगे। मुझे लगता है कि हमारे देश में परिस्थितियां भक्त, चारणभाट या चमचा बनाने का काम तेज़ी से और भलीभाँति कर रही हैं।

डॉ टी महादेव राव
विशाखापटनम (आंध्र प्रदेश)

हमारा चुनावी माँग-पत्र

जनभाषा में विधि-न्याय, व्यापार-व्यवसाय तथा शिक्षा और रोज़गार

कोलफील्ड मिरर 04 मई 2024: राष्ट्र केवल कोई भूमि का टुकड़ा नहीं होता। राष्ट्र बनता है उसकी सभ्यता और संस्कृति से, वहाँ के ज्ञान – विज्ञान, धर्म आध्यात्म और मौलिक चिंतन से। भाषा के माध्यम से ये निरंतर आगे बढ़ते हैं। यह भी कह सकते हैं कि भाषा एक बहती हुई नदी की तरह है, जिनके किनारों पर सभ्यताएँ जन्म लेती और बढ़ती हैं। जिस प्रकार किसी नदी में विभिन्न प्रकार के जीव पलते और बढ़ते हैं, वैसे ही भाषा रूपी नदी में वहाँ का ज्ञान-विज्ञान, साहित्य-संस्कृति, धर्म-आध्यात्म, विचार-चिंतन, समय और स्थान के साथ-साथ अपना स्वरूप बदलते हुए पलते और आगे बढ़ते है। भाषा रूपी नदी सूखी तो इनमें से कुछ न बचेगा। इसीलिए विश्व के सभी विद्वानों, चिंतकों, शिक्षाविदों एवं दार्शनिकों ने मातृभाषा को श्रेष्ठतम भाषा माना है।

अगर हम पीछे मुड़कर देखें तो यह माना जाता रहा है और बार- बार यह हुआ है कि किसी देश को मिटाना हो तो उसकी भाषाएँ मिटा दीजिए, उनका अपना तो कुछ भी है स्वत: मिट जाएगा. स्वाभिमान तक भी न बचेगा। जब कोई भाषा मिटती है या सिमटती है तो उसके साथ-साथ उसकी पूरी संस्कृति और हजारों वर्ष की विरासत भी बह जाती है। भाषा जाएगी तो उसका मौलिक ज्ञान- विज्ञान उसकी संस्कृति और हजारों वर्षों से अर्जित उसकन ज्ञान-विज्ञान सब मिटता जाएगा। इतिहास गवाह है, जब कोई आक्रांता या विदेशी शासक आता है तो पहले वहाँ की भाषा-संस्कृति को नष्ट करने का प्रयास करता है। जब भाषा जाएगी तो उसमें निहित समग्र ज्ञान-विज्ञान को भी बहा कर ले जाएगी। फिर जो भाषा आएगी वह अपने साथ अपनी संस्कृति भी लाएगी, और वहाँ के लोगों के दिलो-दिमाग को उसके माध्यम से मानसिक गुलाम भी बनाएगी।

यहाँ यह बताना अनुचित न होगा कि समाज को अपने धर्म और आध्यात्म से मिटा कर अपना लाने के लिए भी भाषा को मिटाया जाता है। यदि हम लॉर्ड मैकॉले द्वारा अपने पिता को लिखे गए पत्रों को देखें तो उससे साफ समझ में आता है कि भारत के अंग्रेजीकरण के पीछे उसका एक उद्देश्य भारत के लोगों को मानसिक रूप से गुलाम बनाने, अपने स्वाभिमान तथा आत्म गौरव के साथ-साथ धर्मांतरण का मार्ग प्रशस्त करना भी था।

यदि हम विश्व की बात करें तो भी हम पाते हैं कि किसी भी देश में विदेशी आक्रमणकारियों द्वारा अपना शासन अपनी सत्ता स्थापित करने के लिए स्थानीय भाषा अथवा भाषाओं को मिटाते हुए वहाँ पर उन्होंने अपनी भाषाओं का आधिपत्य स्थापित किया। इंग्लैंड ही नहीं फ्रांस, पुर्तगाल, हॉलैंड आदि अनेक देश जिन्होंने अनेक देशों पर शासन किया और उन्हें अपना उपनिवेश बनाया, वहाँ आज भी कमोबेश उनकी भाषा का आधिपत्य है। आज भी वहाँ के लोगों को अपनी भाषा, अपनी विरासत और अपने ज्ञान-विज्ञान से अधिक उस देश की भाषा-संस्कृति और ज्ञान-विज्ञान पर गर्व है, जिन्होंने उन पर शासन किया था, जिन्होंने उन पर अत्याचार किए और जिन्होंने उन पर तरह-तरह के जुल्म किए थे।

अगर भारत की बात की जाए तो भारत पर करीब 1300 वर्ष विदेशी शासन रहा। लगभग सभी आक्रांताओं ने हम पर लगातार अनेक जुल्म किए। इस्लामी आक्रांता कभी लूट के लिए या कभी सत्ता के लिए भारत पर आक्रमण करते रहे और उन सब ने लूट के अलावा तलवार की नोक पर बड़े पैमाने पर भारत के लोगों का धर्मांतरण भी किया। भारत पर इस्लामी आक्रांता अलग - अलग समय में किसी एक जगह से नहीं बल्कि अलग-अलग दिशाओं से आते रहे। जो आया उसने अपनी भाषा चलाने की कोशिश की। इनमें से कुछ ने भारत के अलग-अलग हिस्सों पर अपना शासन भी कायम किया। इसीका परिणाम था कि कभी अरबी, कभी फ़ारसी और कभी इनके मिश्रित रूप शासन, प्रशासन, न्याय और रोजगार का माध्यम बने रहे। इस्लामी शासन के दौर की कुछ कहावतें आज भी इनकी पुष्टि करती दिखाई देती हैं। 'हाथ कंगन को आरसी क्या और पढ़े लिखे को फ़ारसी क्या?' एक और कहावत है, 'पढ़े फ़ारसी बेचे तेल' यानी उस दौर में पढ़ा-लिखा, विद्वान और बड़े पदों का दावेदार उसे ही माना जाता था जो उनकी भाषा यानी 'फ़ारसी' जानता था।

क्योंकि विदेशी आक्रांता तो मुट्ठी भर थे, बाकी उनकी पालकी ढोने वाले और उनके शासन-प्रशासन और लश्कर में शामिल लोग तो स्थानीय ही थे। इसलिए आगे चलकर स्थानीय भाषाओं में अरबी, फारसी के शब्द मिलकर एक नई भाषा का जन्म हुआ जिसे उर्दू कहा गया। उर्दू के लिए फारसी लिपि को अपनाया गया। अगर लिपि की बात छोड़ दें तो यह भाषा, अरबी फारसी आदि के शब्दों से लदी हिंदी ही तो है। यदि इसमें जबरन ठूँसे गए अरबी-फारसी के कुछ जटिल शब्दों को कम कर दें तो यह सरल हिंदी या हिंदुस्तानी ही तो है।

मुगल साम्राज्य के पतन के दौरान ही भारत में क्रमशः पुर्तगालियों, फ्रांसीसियों और अंग्रेजों का आगमन शुरू हो गया था, जो भारत के विभिन्न भागों में अपनी सत्ता कायम करते जा रहे थे। सभी ने जनभाषा की उपेक्षा करते हुए स्थानीय भारतीय भाषाओं को मिटा कर शासन-प्रशासन और व्यवस्था में अपनी भाषा को स्थापित किया। आगे चलकर उनके बीच भारत में सत्ता के लिए संघर्ष भी हुआ। अंततः जब इस संघर्ष में अंग्रेज विजयी रहे तो भारत पर अंग्रेजों का साम्राज्य छाने लगा। स्वतंत्रता पूर्व के समय तक भी गोवा, दमण-दीव और दादरा नगर हवेली में पुर्तगाली शासन कायम रहा और पुडुचेरी में फ्रांसीसियों का शासन रहा। आज भी आपको बड़ी संख्या में वहाँ ऐसे लोग मिल जाएंगे जो अपने स्थानीय भाषा कोंकणी के बजाय पुर्तगाली भाषा यानी पोर्तगीज़ पर गर्व करते मिलेंगे। पुडुचेरी जो की भाषा संस्कृति की दृष्टि से तमिल क्षेत्र है, वहां भी फ्रेंच पर गर्व करने वालों की कमी नहीं है। शेष भारत पर अंग्रेजी की वर्चस्व आज भी है। कारण साफ है कि विदेशी भाषा मौलिकता के बजाए विदेशी-गुलामी, विदेशी-सोच की ओर ले जाती है।

यह कहना अतिशयोक्ति न होगा कि स्वतंत्रता-संग्राम के दौरान महात्मा गांधी, विनोबा भावे, सुभाष चंद्र बोस, वीर सावरकर, सेठ गोविंद दास, पुरुषोत्तम दास टंजन, सरोजिनी मायडू, लाला लाजपत राय जैसे नेताओं के विचारों और प्रयासों के बावजूद अंग्रेजी-परस्तों की अच्छी खासी संख्या थी। संविधान सभा में भी डॉ. भीमराव अंबेडकर ने अंग्रेजी के प्रयोग की छूट केनल 15 वर्ष के लिए ही दी थी। स्वतंत्रता के समय पूरे देश की आकांक्षा थी कि अंग्रेजों के साथ अंग्रेजी की सत्ता को भी हटाया जाए और देश का काम देश की भाषाओं में हो। लेकिन ऐसा हुआ नहीं। हुआ इसके ठीक उलट। स्वतंत्रता के समय भी देश में 99% से अधिक आबादी मातृभाषा में ही पड़ती थी लेकिन आगे चलकर जिस प्रकार की नीतियां अपनाई गई गांव-गांव तक और उच्च शिक्षा नहीं नर्सरी स्तर तक अंग्रेजी माध्यम को पहुंचा दिया गया व्यवस्था की रग-रग में अंग्रेजी को बसा दिया गया।

पूरे भारत में एक ऐसा वातावरण बना गया है कि ज्ञान-विज्ञान का मतलब अंग्रेजी है, शिक्षा रोजगार का मतलब अंग्रेजी है। संपन्नता और महत्वपूर्ण होने का मतलब अंग्रेजी है। एक प्रसिद्ध पुराना फिल्मी गाना है, 'जाना था जापान पहुंच गए चीन, समझ गए ना।' भारतीय
भाषाओं के साथ यही हुआ। कहा तो यह गया था कि भारतीय भाषाओं को बढ़ाया जाएगा और अंग्रेजी को धीरे-धीरे हटाया जाएगा। देश की व्यवस्था देश की भाषाओं में चलेगी, लेकिन हुआ उसकी ठीक विपरीत। हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के नाम पर लोग नाचते रहे, गाते रहे, धूम मचाते रहे, भाषा के दिवस मनाते रहे, सम्मेलन रचाते रहे, खाते और कमाते रहे। लेकिन धीरे-धीरे भारतीय भाषाओं को बहुत ही कमजोर कर दिया गया। तत्कालीन सरकारों ने हर क्षेत्र में अंग्रेजी को पुरजोर ढंग से बढ़ाया। आज भी देश के उच्च और सर्वोच्च न्यायालयों में भारतीय भाषाओं का नहीं अंग्रेजी का वर्चस्व है। जबकि सच्चाई तो यह है कि विश्व के सभी संपन्न और विकसित देश वही है जहाँ अपनी मातृभाषा के माध्यम से पढ़ाई होती है और काम होता है। उन देशों की समग्र व्यवस्था और विधि व न्याय-प्रणाली उनकी भाषा में ही है। लाकिन भारत में इसके ठीक विपरीत धारणा विकसित की गई है।

नई शिक्षा नीति के माध्यम से भारत सरकार भारतीय भाषाओं को आगे बढ़ाती हुई दिख तो रही है लेकिन इस मामले में कोई ठोस प्रगति अभी धरातल पर नजर नहीं आती। यहाँ भी न्यायपालिका अंग्रेजी के पक्ष में खड़ी दिखाई देती है। शासन-प्रशासन में भी भारतीय भाषाओं को ले कर कोई बड़ा परिवर्तन दिखाई नहीं देता।

ऐसी में हमारी तो सभी राजनीतिक दलों से यह माँग है कि वे वादा करें कि वे भारतीय भाषाओं को आगे बढ़ाएंगे, कम से कम स्कूली स्तर पर इस शिक्षा का माध्यम बनाएंगे। नई शिक्षा नीति के अनुसार स्कूलों में दो भारतीय भाषाएं कम से कम पढ़ने की व्यवस्था करेंगे। जब पूरी दुनिया के लोकतांत्रिक देश में सभी स्तरों पर जनभाषा में न्याय मिलता है तो हमारे यहां यह अन्याय क्यों है? नौकरी पाने के लिए विषय के ज्ञान की बजाए अंग्रेजी के ज्ञान पर जोर क्यों है? लोगों को अपनी भाषा में नौकरी क्यों न मिले? क्या कोई राजनीतिक दल इसके लिए अपनी बात कहेगा।

विदेशी भाषा के रूप में अंग्रेजी पढ़ाई जाए, इसमें किसी को कोई एतराज नहीं। अंग्रेजी ही नहीं, किसी विशेष उद्देश्य के लिए यदि कोई विद्यार्थी कोई अन्य विदेशी भाषा भी यदि विद्यार्थी सीखना चाहे तो विश्वविद्यालयों में विदेशी भाषा विभागों के माध्यम से उसकी व्यवस्था भी की जाए। हमारा मानना स्पष्ट है कि ज्ञान का कोई भी द्वारा कहीं से भी बंद न किया जाए। लेकिन अपनी भाषा की जगह विदेशी भाषा को ना लादा जाए। किसी देश में ज्ञान-विज्ञान का विकाल मौलिक चिंतन से ही होता है और मौलिक चिंतन अपनी भाषा में ही संभव है।

महात्मा गांधी का नाम और उनकी विरासत की राजनीति करने वालों को इस संबंध में महात्मा गांधी को पढ़ना भी चाहिए। उन्होंने कहा था ति यदि भारत में विज्ञान की शिक्षा मातृभाषा से दी जाती तो आज जो हम भारत के तीन-चार आविष्कारकों के नाम लेते हैं, हमारे यहाँ इतने आविष्कारक होते कि हम इन्हें याद तक न करते। लेकिन अंग्रेजी-परस्ती के इतिहास ने मौलिक-चिंतन के माध्यम, यानी मातृभाषा में शिक्षा के मार्ग को पूरी तरह बंद कर दिया।

देश के करोड़ों विद्यार्थी, प्रतिभाशाली और मेधावी विद्यार्थी केवल इसलिए आगे नहीं बढ़ पाए और पीछे रह जाते हैं क्योंकि सारी व्यवस्थाएं अंग्रेजी में है और अंग्रेजी की बड़े-बड़े विद्यालय उनकी पहुंच से दूर हैं। केवल अंग्रेजी के बल पर काम योग्य लोग भी आगे बढ़ रहे हैं और मेधावी पीछे छूट रहे हैं। यदि भारतीय भाषाओं के माध्यम से देश की शिक्षा और संपूर्ण व्यवस्था चलने लगे तो कुछ करोड़ ही नहीं बल्कि 140 करोड लोग तेजी से आगे बढ़ने लगेंगे और निश्चित ही भारत अति शीघ्र विश्व की महान शक्ति बन सकेगा।

हमारा चुनावी माँग-पत्र बहुत ही सपष्ट है। हमें चाहिए जनभाषा में विधि- न्याय, व्यापार,-व्यवसाय, सभी स्तरों पर सरकारी या गैर सरकारी आवश्यक सूचनाएँ (जो कानूनी रूप से दी जानी आवश्यक हैं।) जनभाषा में शिक्षा ही नहीं रोजगार भी देने की व्यवस्था की जाए। सरकारी कार्यालयों और कंपनियों में ही नहीं निजी स्तर पर भी भारतीय भाषाओं में पढ़ने वालों के लिए रोजगार की व्यवस्था करवाई जाए। भारतीय ज्ञान-विज्ञान, साहित्य-संकृति को शिक्षा में समुचित स्थान दिया जाए। अंग्रेजी के नक़लतंत्र के स्थान पर मौलिक चितंन और मौलिक आविष्कारों का मार्ग प्रशस्त किया जाए।

डॉ. मोतीलाल गुप्ता 'आदित्य'
लेखक: भारत सरकार के गृह मंत्रालय के सेवानिवृत्त क्षेत्रीय उपनिदेशक तथा 'वैश्विक हिंदी सम्मेलन संस्था' के संस्थापक व निदेशक हैं।

इस बार दिनभर मतदान, वोट डालने जाना है, अपना फ़र्ज़ निभाना है

कोलफील्ड मिरर 04 मई (धनबाद): लोकसभा निर्वाचन 2024 के सफल संचालन हेतु मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय द्वारा सामान्य जन के चुनाव संबंधी किसी भी प्रकार के शिकायतों के समाधान हेतु 24×7 कार्यरत राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है। चुनाव से संबंधित किसी भी प्रकार की शिकायत एवं जानकारी हेतु वोटर हेल्पलाइन नंबर 1950 तथा राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष के दूरभाष संख्या 1800 331 1950 टोल फ्री नंबर पर संपर्क किया जा सकता है। इसके अलावा जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष धनबाद के दूरभाष संख्या 03262 222 045 पर भी संपर्क किया जा सकता है। आदर्श आचार संहिता/ निर्वाचन व्यय संबंधी उल्लंघन की घटना तथा अन्य शिकायत एवं जानकारी हेतु उपरोक्त दूरभाष नंबरों का आवश्यकता अनुसार उपयोग किया जा सकता है।

सीपीआई के राष्ट्रीय सचिव का निधन, कार्यकर्ताओं ने जताया शोक

कोलफील्ड मिरर 04 मई (ऋषि कान्त मिश्र) पीरपैंती-: भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राष्ट्रीय सचिव अतुल कुमार अंजान का कैंसर से लंबी लड़ाई के बाद शुक्रवार की सुबह लखनऊ स्थित एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वहीं उनके निधन पर कामरेड देव कुमार यादव, प्रो० भोला यादव, टुंगनाथ तिवारी, सूचित नारायण सिंह, बलराम निराला, राखो राम, पैक्स अध्यक्ष अशोक यादव, ललन मिश्रा, मोहन यादव, मनोज कुमार मंडल, पूर्व मुखिया सत्यनारायण उरांव सहित अन्य कम्युनिस्ट कार्यकर्ताओं ने अपूर्णीय क्षति बताते हुये शोक संवेदना प्रकट किया है।

लू के मरीजों के लिये रेफरल अस्पताल में बनाया गया है हिट वेभ रूम

कोलफील्ड मिरर 04 मई (ऋषि कान्त मिश्र) पीरपैंती-: भीषण लू और गर्मी को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग भी तैयार है। रेफरल अस्पताल में लू के चपेट में आये मरीजों के लिये स्वास्थ्य विभाग की ओर से हिट वेभ रूम तैयार किया गया है। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर सुकेश कुमार ने बताया कि भीषण गर्मी एवं लगातार पछुआ हवा से लू लगकर अस्पताल आये मरीजों के लिए वातानुकूलित कमरा हिट वेभ रूम बनकर तैयार है, इमरजेंसी सेवाओं के लिए डॉक्टर भी हमेशा तैयार रहते हैं। हालांकि इस बार अभी तक कोई लू के मरीज नही आये है।

प्यासे को पानी पिलाना पुण्य का कार्य- एडीआरएम

कोलफील्ड मिरर 04 मई (ऋषि कान्त मिश्र) पीरपैंती-: अमृत भारत योजना के तहत पीरपैंती रेलवे स्टेशन पर चल रहे कार्यों का निरीक्षण करने पहुंचे मालदा मंडल के एडीआरएम शिव कुमार प्रसाद ने संजीवनी गंगा एवं गंगा मिशन के निःशुल्क पेयजल अभियान में शिरकत किया।

उन्होंने ने कहा कि इस भीषण गर्मी और गर्म हवा ने लोगों का घर से निकलना मुश्किल कर दिया है।

लोगों के शरीर में पानी की कमी हो रही है, जिस कारण कभी-कभी डिहाइड्रेशन की समस्या हो जाती है। ऐसे में संजीवनी गंगा का निःशुल्क प्याऊ राहगीरों को राहत देने का कार्य कर रहा है।

इस दौरान स्टेशन प्रबंधक अजय कुमार, केंद्रीय रेलवे रेल यात्री संघ अध्यक्ष विष्णु खेतान, अमित कटारूका, विपिन कुमार, राजकुमार रजक, मनोज यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहे। संस्था के संस्थापक मो० अयाज ने बताया कि प्रतिदिन एक बजे दिन तक लगभग चार सौ लीटर पेयजल की खपत हो रही है।

एडीआरएम ने पीरपैंती रेलवे स्टेशन का किया निरीक्षण, दिये कई निर्देश

कोलफील्ड मिरर 04 मई (ऋषि कान्त मिश्र) पीरपैंती-: साहिबगंज भागलपुर रेलखंड पर स्थित पीरपैंती रेलवे स्टेशन में अमृत भारत योजना के तहत चल रहे कार्य का निरिक्षण शुक्रवार को एडीआरएम शिव कुमार प्रसाद ने अधिकारियों के टीम के साथ किया। इस दौरान यात्रियों व स्थानीय लोगों से उन्होंने स्टेशन परिसर को साफ सुथरा रखने का अपील किया। साथ हीं पीरपैंती रेलवे स्टेशन को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने की बात कही। वहीं उन्होंने कहा कि गोड्डा से पीरपैंती रेलवे लाइन का कार्य शुरू हो गया है। जल्द ही इस कार्य को पूरा कर लिया जाएगा।

इस दौरान सीनियर डीएमई, सीनियर डीईएन, सीनियर एओएम, सिनीयर एईएन स्टेशन प्रबंधक अजय कुमार, केंद्रीय रेलवे रेल यात्री संघ अध्यक्ष विष्णु खेतान, विपीन कुमार सहित अन्य लोग मौजूद थे।

वक्त के समरथ सन्त जीवात्मा पर चढ़े और दुनिया के- दोनों बंधनों से मुक्त करा देते हैं - जयगुरुदेव बाबा उमाकान्त जी महाराज

महाराज जी ने समझाया राजा जनक विदेही क्यों कहलाए

कोलफील्ड मिरर 04 मई (उज्जैन/ म.प्र.): इस समय के युगपुरुष, पूरे समरथ सन्त सतगुरु, दुःखहर्ता, उज्जैन वाले बाबा उमाकान्त जी महाराज ने अधिकृत यूट्यूब चैनल जयगुरुदेवयूकेएम पर लाइव प्रसारित संदेश में बताया कि जो इस धरती पर वक्त के समरथ सन्त होते हैं, वह दोनों काम करते हैं। बंधन को काट करके मुक्त करा दिया करते हैं। यह जो दुनिया का जगत का बंधन है, यह मोटा बंधन कहा गया है। इसको भी कटवा देते हैं और लिंग शरीर, सुक्ष्म शरीर, कारण शरीर वाला झीना सूक्ष्म बंधन कहलाता है उससे भी मुक्त करवा देते हैं। मोटे बंधन जगत के, गुरु भक्ति से काट, झीने बंधन चित के, कटे नाम प्रताप। मोटे जब तक जाए नहीं, झीने कैसे जाए, याते सबको चाहिए, नित गुरु भक्ति कमाये।। यह दोनों बंधन तब कटेंगे जब गुरु भक्ति करोगे। गुरु के आदेश के पालन को गुरु भक्ति कहते हैं।

राजा जनक विदेही क्यों कहलाए

राजा जनक विदेही कहलाए थे क्योंकि शरीर में रहते-रहते आत्मा को निकाल लेते थे। और शरीर में कोई जान नहीं रह जाती थी। जब शरीर में जान रहती है तभी आदमी को बोध रहता है, कुछ सोचता, विचारता, देखता, सुनता, करता है। और जब आत्मा निकल जाएगी तो यह मन भी उसके साथ जाता है। तब इधर का कोई होश नहीं रहता है। आदमी कुछ चिंतन, सोचता विचारता नहीं है।

दाता मनुष्य शरीर में होते हैं

एक समय ऐसा था कि हमारे पास कुछ नहीं था, जब मैं वहां से (पुराने आश्रम से) सब छोड़ करके चला आया। किसी भी चीज का मोह नहीं किया। हमने कहा, जिसका हाथ पकड़े हैं, वह हमको देंगे। दाता एक राम, भिखारी सारी दुनिया। कहा गया है- धरनी जहलो देखिए, तहलो सबय भिखार, दाता केवल सतगुरु, देत न माने हार। देने वाले तो जो परम पिता परमात्मा के अंश होते हैं, ताकत होते है, इस धरती पर मनुष्य शरीर में होते हैं, देने वाले तो वो होते हैं। तो हम इसका क्या करें, छोड़ो इसको (जमीन-जायदाद), गुरु का काम करना है। तो निकाल करके यहां (उज्जैन) आ गया। तो यह सब जमीन खरीदी गई। तो यह सब आपके सहयोग से हुआ। आपने गुरु के निमित जो निकाला, वह हुआ। लेकिन किया किसके लिए? अपने लिए नहीं किया। मेरे कोई लड़का बच्चा पत्नी घर दुकान कल-कारखाना कुछ नहीं। जो कुछ किया सब आपके लिये किया। सन्त न भूखा तेरे धन का, उनके तो धन है नाम रतन का, पर तेरे धन से कुछ काम करावें, भूखे दुखे को खिलवावे। भंडारे सब जगह चल रहे हैं। धार्मिक स्थानों पर भंडारे चल रहे हैं। किसी भी आश्रम पर कोई चला जाए, अब तो बहुत सारे आश्रम बन गए, बहुत सी जमीनें हो गई, बन भी गया। ध्यान भजन भी लोग करते हैं। जितने भी भंडारे चल रहे हैं आश्रमों पर, कोई भी आवे-जावे, खाए-पिए। आप सोचो आप यहाँ स्थानीय हो और जगन्नाथपुरी ओडिशा, सोमनाथ गुजरात, महाराष्ट्र, केदारनाथ उत्तराखंड आदि में भंडारे चल रहे हैं। और खर्चा कहां से हो रहा है? जो आपने झोली गोलक में डाला, वहां से हो रहा है। तो आप यहां के रहने वाले हो, अपने यहां डाला, खर्चा वहां हो रहा है और वहां आने-जाने वाले खा रहे हैं। कोई महाराष्ट्र का जा रहा है केदारनाथ में खा रहा है, कोई गुजरात का जा रहा है, कोई अमेरिका का जा रहा है, विदेश का आया है, वह घूमने जा रहा है, वह खा रहा है। तो लेना -देना अदा हो रहा है। भूखे-दुखे को खिला देते हैं। सन्त धन के भूखे नहीं होते हैं। तन के भी भूखे नहीं होते हैं। क्योंकि महापुरुषों का काम संकल्प मात्र से हो जाता है।

अरबपति करोड़पति कोई हो और रात को वहां पहुंचे और होटल बंद हो गई तो असहाय हो गया कि कहां खाएं। या तो पानी पीकर के सो जाए नहीं तो अपना भंडारा खुला हुआ है, कोई भी कभी भी आवे, 24 घंटे, भूखा है, कुछ न कुछ मिल जाएगा खाने को। कुछ न कुछ बचा कर देर रात तक रखते ही है। नहीं होगा तो ऐसा सेवा भाव है कि रात को भी हमारे प्रेमी बनाकर खिला देते हैं, अगर भूखे हैं, लोग आ गए तो। रात 2 बजे कोई भंडारे में आ जाए, भूखा है, भंडारी सो गए तो कौन खिलाएगा? वह पहरा लगाने वाले जो रोटी साग-सब्जी उनके पास रख देते हैं कि कोई भूखा-दूखा आ जाए तो खिला देना। भंडारी रखने की आदत बना दिए हैं। मान लो जवान आदमी पहरा लगा रहा है। जवानों को भूख ज्यादा लगती है। जवानों को तो घंटा पीछे दो रोटी, छोटी हो पर हो मोटी,???

चाहिए ही चाहिए। अब खाएगा नहीं तो करेगा क्या। भूख लगेगी तो कोई काम हो पाएगा। चाहे पहरा वाले खा ले, चाहे कोई आवे वो खा ले, यह सब भूखे-दुखे को खिला देते हैं। सन्त धन के भूखे नहीं होते हैं। तन के भी भूखे नहीं होते हैं। क्योंकि महापुरुषों का काम संकल्प मात्र से हो जाता है।

अंतर जिला अंडर 15 वूमेन्स टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट में धनबाद ने कोडरमा को किया पराजित

अंकिता मौर्य को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया

कोलफील्ड मिरर 04 मई (धनबाद): झारखंड क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अंतर जिला अंडर 15 वूमेंस टी 20 क्रिकेट टूर्नामेंट में धनबाद का जलवा कायम है। धनबाद जिला की लड़कियों ने दमदार प्रदर्शन करते हुए कोडरमा को पराजित किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए धनबाद ने 20 ओवर में 275 रन बनाए।

धनबाद की कप्तान (माही क्रिकेट क्लब कुमारधुबी की खिलाड़ी) अंकिता मौर्य ने धनबाद की ओर से दमदार प्रदर्शन करते हुए 150 रन बनाए तथा अंत तक नाबाद रही। अनु यादव 25 तथा आरती सोरेन ने भी 14 रन बनाए।

कोडरमा की सृष्टि सिन्हा ने तीन विकेट लिए। जवाबी पारी खेलते हुए कोडरमा 20 ओवर में पांच विकेट खोकर महज 75 रन ही बना सकी। सृष्टि सिन्हा ने 23 रन बनाए। धनबाद की कप्तान अंकिता मौर्य ने बोलिंग में भी दमदार प्रदर्शन करते हुए तीन विकेट लिए। अनु यादव ने एक विकेट लिए। अंकिता मौर्य को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

अंकिता के दमदार प्रदर्शन पर खुशी जताते हुए झारखंड क्रिकेट संघ के सदस्य सह माही क्रिकेट क्लब कुमारधुबी के अध्यक्ष अभिजीत घोष, सचिव दोयल घोष, पूर्व क्रिकेटर संजय यादव, प्रो दीपक सिंह, क्लब के कोच भागीरथ रजवार तथा कुंदन कुमार राज ने शुभकामनाएं दी।

ज्ञात हो कि इस बार धनबाद जिला अंडर 15 वूमेंस टीम में माही क्रिकेट क्लब कुमारधुबी की नौ लड़कियां शिरकत कर रही हैं।

इसके पूर्व अंडर-19 वूमेन'एस क्रिकेट टीम में भी इसी क्लब की पांच लड़कियों ने शिरकत किया था तथा अपने दमदार प्रदर्शन के बदौलत धनबाद जिला को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।

मानव की मानसिकता

कोलफील्ड मिरर 04 मई 2024: मानव गलत करेगा तो उसको भय होगा ही होगा। आज के दौर में दूसरों की सराहना प्रशंसा करने का रिवाज घटते जा रहा है। दुसरो शब्दों में कहें तो दूसरे की तारीफ करने में स्वार्थ-वश ख़ुद की जुबान पर ताला लगने का रिवाज बढ़ते जा रहा है। वैसे में मिलनसारिता की मिसाल/प्रमोद भावना व्यक्त करने वाले कूछ विरले ही होते हैं। ऐसे में अद्भुत है वो, जो मान और सम्मान, प्यार-अपनापन-प्रमोद भावना की एक साक्षात् मिसाल होते है। फिर चाहे फ़ासलें कितने ही लम्बे हो, विचारों का मेल, कथनी-करनी की समानता, अपनापन सारी दुरियाँ दूर कर देता है। उनकी आत्मीयता नम्रता, भितर से बिना गाँठ आदि का नग़मा लिए प्यार की सुरीली मीठी बयांर के साथ जीवन में सतरंगी छटा बिखेरे एक नीले प्रांगण की हृदय विभोर की बरखा सी लगती हैं। तभी तो अपनापन गर दिल में वह मानव मिसाल है जग में, प्रीति की सुर-सरिता निरन्तर बहे उसके तो रग-रग में। जिस मनुष्य के हृदय में सच्ची मानवता हैं उसकी सोच हमेशा यही होगी कि मुझे मिला हुआ दुःख किसी को नही मिले और मुझे मिला हुआ सुख सबको मिले। उस का यही स्वभाव उसकी मानवता दर्शाता है। वह हर दम मस्त हाल में कंही महल कंही कुटिया खस्ताहाल में जीवन शैली अजब चेहरे पे मुस्कान गजब मानवता का पाठ पढ़ाता साथ चलते रहता है। कभी भी वह नहीं थकता है मस्त होता उसका आलम जहां मिली जगह वहां जमा दी जाजम ।तभी तो कहा है कि बहुत से मानव है जिनकी जिन्दगी बिना किसी भी अपेक्षा के ही भगवद् गुणगान में ही बीत रही हैं।

प्रदीप छाजेड़
बोरावड़

आत्मा की आवाज

कोलफील्ड मिरर 04 मई 2024: पार्क में बनी गांधी जी की मूर्ति के आगे एक आदमी हाथ जोड़कर खड़ा हुआ "महात्मा! देश का सर्वनाश हो गया है। हम कुछ नहीं कर पा रहे हैं। तुम्हें फिर से जन्म लेना है बापू!" कहते हुए देर तक पता नहीं क्या-क्या बोलता रहा। अंत में आंखों में आंसू भरकर गांधीजी की मूर्ति की ओर बड़ी दीनता के साथ देखता हुआ खड़ा रहा। लगा गांधी जी की मूर्ति से आवाज आई "पगले! मैं आकर क्या करूंगा? बहुत पहले सुबोध गुप्ता के बनाए गए तीन बंदर और उन पर मेरा संदेश हुआ करते थे। शायद अब तुम्हें उनके बारे में कुछ याद भी न हो। दिन बदलते बदलते अब उन पर मुझे भी संदेह होने लगा है। वह यह कि एक बंदर कान बंद रखता है लेकिन वह बोल सकता है और देख सकता है। दूसरा बंदर आंखें मूंद लेता है लेकिन वह बोल सकता है और सुन सकता है। तीसरा बंदर भी वैसा ही मुंह बंद रखता है लेकिन देख सकता है और सुन सकता है । कुल मिलाकर वे कुछ नहीं करते और कर भी नहीं सकते। मैं भी वैसा ही हूं और अगर मैं आ भी गया तो चौथे बंदर की तरह सारा कुछ बंद करके बैठना होगा। अगर मैंने ऐसा नहीं किया तो बाकी तीन बंदर मेरे साथ जबरदस्ती वह सब कराएंगे। समझ में आया? फिर भी तुम्हारे हाथ में जो काम है उसे न करके मुझे क्यों आने को कह रहे हो?" शायद अंतिम वाक्य कुछ जोरों से सुनाई पड़ा। उसे शायद बापू की मूर्ति की बातें सुनाई पड़ी इसलिए सिर हिलाते हुए आदमी ने अपने बाएं हाथ की तर्जनी को एक बार देखा। उसे पर काली स्याही का दाग था लेकिन उस उंगली में कोई हरकत नहीं थी। वह तर्जनी बिक चुकी थी, शायद यह बात याद आई और वह आदमी लंबे-लंबे डग भरते हुए वहां से चला गया।

डॉ टी महादेव राव
विशाखापटनम (आंध्र प्रदेश)

जबकि तड़पता हूँ मैं रातभर

नहीं ले पाता मैं पूरी नींद,
याद जब किसी की सताती है,
छटपटाता हूँ रातभर मैं,
उनकी बेरुखी को देखकर।

सोचता हूँ मैं,
क्यों नहीं आते वो,
मुझसे मिलने कभी,
क्या प्यार नहीं उनको मुझसे,
क्या धड़कता नहीं उनका हृदय,
मेरे लिए कभी भी।

शायद बेकार की चीज समझते हैं वो,
मुझको और रिश्तों को,
जो जुड़े होते हैं हृदय से,
जीवन में प्रेम की प्रगाढ़ता के लिए।

जब बूढ़ा हो जाता है आदमी,
होता है आँसूओं से भीगा उसका मन,
तब इन्हीं रिश्तों की जरूरत होती है,
शेष जिंदगी को ताकत देने,
बची हुई जिंदगी को जीने के लिए।

शायद वो बहरे हो गये हैं,
कि अब सुनते नहीं है मेरी आवाज को,
नाहक समझते हैं शायद मुझको,
इसलिए नहीं बढ़ाते कदम वो,
मुझसे मिलने के लिए,
जबकि तड़पता हूँ मैं रातभर,
उनके मिलने आने की उम्मीद में।।

गुरुदीन वर्मा उर्फ़ जी.आज़ाद
बारां (राजस्थान)
कोलफील्ड मिरर

न सोचा के रोज़ कितनों से वो मिलता होगा

एक पल में ही दिल ,
दे बैठे हम तो उसको ,
न सोचा के रोज़ कितनों,
से वो मिलता होगा,
तेरी बेवफाई गज़ब ढा,
गई होगी। उस पर,
मर - मर के कई बार ,
वो तो जीता होगा,
दिन - रात मुझे चैन न ,
आए है सच . कह दूँ,

दिल तेरा भी क्या बता,
न मचलता होगा,
जब बाग़ का माली भी ,
गुलशन में बग़ावत कर दे,
गुलशन में बता कौन,
आहे न भरता होगा ,
क्यों बेसबब दिल को,
जलाता फिरे है 'मुश्ताक
'कौन हमदर्द है, एहसास,
जो तेरे ये पढ़ता होगा।

डॉ. मुश्ताक़ अहमद शाह
"सहज़" मध्यप्रदेश
कोलफील्ड मिरर

ऋतु चक्र एवं तापमान में असमय परिवर्तन

कोलफील्ड मिरर 04 मई 2024: मौसमों में ज्यादा बदलाव यानि अधिक गर्मी और ठंड| क्या, मौसम के निर्धारित माह अपने माह को आगे बढ़ा रहे है? पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि पर्यावरण मे बदलाव का बुरा असर लकड़ी पर भी हो रहा है| उसकी प्रकृति बदल रही है और उससे बनने वाले वाधयंत्रों मे वो मधुर स्वर नहीं पायेगे, जो की पहले पाते थे। ये एक चिंता का विषय है| वैज्ञानिक दृष्टि कोण से भी संगीत थेरेपी द्धारा संगीत सुनाकर पेड़-पोधों, पशु-पक्षियों को पूर्ण स्वस्थ्य एवं विकसित करने के प्रयोग जारी है| जिसके सफल परिणाम भी सामने आये है| पर्यावरण मे बदलाव को सुधारने हेतु कारगर कदम उठाना होगा, इस हेतु वृक्षारोपण ज्यादा करे व हरे-भरे वृक्षों को कटने ना दे| ताकि वाधयंत्रों मे वो मधुर स्वर पा सके और ऋतु चक्र सही हो सके| पृथ्वी को बचाने के लिए कुछ तो हमें कराना होगा| पूर्व मे जलवायु पर हुए डरबन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन मे जलवायु परिवर्तन के संबध मे किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुँच पाने से जनाक्रोश भी उभर कर सामने आया था| हमें इस बात पर भी गौर करना चाहिए कि खाद्दान्न, बायो फ्यूल हो या कागज हो| हर चीज लकड़ी और उससे पैदा करने वाले जंगलो पर आकर ठहर जाती है| इन वस्तुओं से आगे उपजने वाली जरूरतों को पूरा करने के लिए भविष्य मे कई हेक्टर जमीन की अतिरिक्त आवश्यकता होगी जो की निश्चित तोर पर ही जंगलों को काट कर प्राप्त की जाएगी| एक जानकारी के मुताबिक आर आर इ के अनुसार सन २०३० अंत गाज उष्ण देशीय (ट्रापिकल) जंगलों पर गिरेगी जो की पर्यावरण के हिसाब से गंभीर एवं चिंतनीय पहलू है| अधिक जंगल काटने से ज्यादा कार्बन उत्सर्जन. अधिक मौसम परिवर्तन और सबके लिये कम संपन्नता ही प्राप्त होगी| ये सर्वविधित है की वृक्षों से ताप का नियंत्रण होता ही है साथ ही वायु मंडल की विषाक्तता भी कम हो जाती है| जितने अधिक वृक्ष होगें उतना वातावरण शुद्ध एवं स्वच्छ होगा| वृक्षों की कमी होने से वन्य प्राणियों की जीवन पर भी प्रश्नचिंह लगेगा सो अलग| भविष्य मे हरित क्रांति को विलुप्त होने से बचाने हेतु वृक्षारोपण की अनिवार्यता व वृक्षों को काटने से बचाना ही सही तरीका होगा| ताकि ऋतु चक्र एवं तापमान में असमय परिवर्तन न हो पाए|

संजय वर्मा "दृष्टि"

भारतीय मूल के लोग पूरी दुनियां में अपना जलवा बिखेर रहे हैं

भारत में अमेरिकी राजदूत ने भारतीय प्रतिभाओं का लोहा माना-अमेरिकी कंपनियों में भारतीयों की भरमार

अमेरिका में किसी कंपनी का सीईओ होने के लिए भारतीय होना जरूरी, अमेरिकी राजदूत का सराहनीय विचार- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया

कोलफील्ड मिरर 04 मई (गोंदिया): वैश्विक स्तरपर भारत को आदि अनादि काल से सोने की खान कहा जाता है ,इसका कारण यह है कि यहां न केवल प्राकृतिक संसाधनों, सांस्कृतिक विरासत, संस्कारों का खजाना सहित अनेक संसाधन भरपूर मात्रा में है, बल्कि सबसे बड़ी प्लस पॉइंट भारतीय बौद्धिक क्षमता का अपार खजाना है। जहां राजा राम, श्री कृष्णा, पवन पुत्र हनुमान, श्रवण सहित ऐसे अनेक व्यक्तित्वोका जन्म हुआ है जिन्होंने अपनी बौद्धिक क्षमता का परिचय देने के साथ-साथ संस्कारों का भी सटीक उदाहरण दिया है, यही कारण है कि सैकड़ो वर्ष पूर्व अंग्रेजों की नजरभारत पर पड़ी और उन्होंने भारत पर कब्जा कर सैकड़ो वर्षों तक राज किया।खैर यह बातें तो हमने बहुत बार चर्चा में लाई है परंतु दिनांक 26 अप्रैल 2024 को अमेरिका के भारत में राजदूत ने इसी भारतीय बौद्धिक क्षमता का संज्ञान लेकर एक इंटरव्यू में कहा कि, एक जमाना था जब कहा जाता था कि बाहर से आए भारतीय हैं तो, अमेरिका में किसी कंपनी का सीईओ नहीं बन सकते परंतु यह चुटकुला आज ठीक उल्टा हो गया है कि यदि आपके पास भारतीय पासपोर्ट है या आप भारतीय हैं तो वही सीईओ बनने को प्रायोरिटी शर्तों में से एक है यानी एक भारतीय ही अमेरिकी कंपनी का सीईओ बन सकता है। जैसे ही यह खबर मीडिया में आई तो आज की सुर्खियां बन गई और मैं भी आज इसी विषय पर आर्टिकल लिखने के लिए यह विषय चुना। वैसे देखा जाए तो अमेरिका के राजदूत द्वारा कही बातें सटीक सिद्ध होती है क्योंकि यदि हम आज विश्व की दिग्गज कंपनियों पर नजर डालें तो इनके सीईओ मूल भारतीय ही हैं जैसे, विश्व की कई दिग्गज कंपनियां जैसे गूगल, यूट्यूब, माइक्रोसॉफ्ट, स्टारबक्स, नोवार्टिस, आईबीएम और एडोब आदि के सीईओ भारतीय मूल के हैं। अमेरिका की कई टॉप कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी भारतीय मूल के हैं। ऐसे में लोग अमेरिका में मजाक में कहते हैं कि अमेरिकी कंपनी का सीईओ बनने के लिए भारतीय होना आवश्यक है। इस चुटकुले को अमेरिकी राजदूत ने 26 अप्रैल को अमेरिका में रह रहे भारतीय मूल के लोगों की प्रशंसा करते हुए कहा कि अमेरिकी कंपनी का सीईओ बनने के लिए भारतीय मूल का होना आवश्यक है। भारतीय मूल के लोग पूरी दुनियां में अपना जलवा बिखेर रहे हैं इसीलिए ही अमेरिकी राजदूत ने बताया कि, राष्ट्रपति जो बाइडेन ने उन्हें भारत में अमेरिकी वीजा के लिए इंतजार के वक्त को कम करने का निर्देश दिया है। यह पहली बार है जब किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने किसी देश के राजदूत को ऐसा निर्देश दिया है। अमेरिकी वीजा के लिए भारत में वेटिंग टाइम 250 दिन है।उन्होंने भारतीय छात्रों के लिए अमेरिका को बेहद सुरक्षित देश बताया है। उन्होंने कहा अमेरिका भारतीय छात्रों के लिए बेहद सुरक्षित देश है और अमेरिका भारतीय छात्रों की परवाह करता है। उन्होंने माता-पिता को आश्वासन देते हुए कहा कि आप हमेशा यह समझें कि भारतीय बच्चे हमारे हैं।उन्होंने कहा कि अमेरिका में रिसोर्सेस की कमी नहीं है और हम छात्रों की हर तरह से मदद करने के लिए तैयार रहते हैं। चूंकि राजदूत ने भारतीय प्रतिभाओं का लोहा माना है इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,अमेरिका में किसी कंपनी का सीईओ होने के लिए भारतीय होना जरूरी है, यह अमेरिकी राजदूत के विचार सराहनीय हैं।

साथियों बात अगर हम दिनांक 26 अप्रैल 2024 को भारत में अमेरिका के राजदूत द्वारा एक इंटरव्यू में दिए गए बयान की करें तो, भारतीय मूल के लोग पूरी दुनिया में अपना जलवा बिखेर रहे है। अमेरिका में तो जितनी भी दिग्गज कंपनियां हैं, उसकी कमान भारतीय मूल के सीईओ के पास ही है। यही वजह है कि अब अमेरिका में एक चुटकुला अमेरिका में किसी कंपनी का सीईओ होने के लिए भारतीय होना जरूरी है, खूब चल रहा है। इस बात का खुलासा भारत में अमेरिका के राजदूत ने किया है। उन्होंने कहा कि पहले यूएसए में कहा जाता था कि अगर आप भारतीय हैं तो अमेरिका में किसी कंपनी के सीईओ नहीं बन सकते पर अब मामला उल्टा हो गया है।न्यूज एजेंसी एएनआई को दिए इंटरव्यू में राजदूत ने अमेरिका में रहने वाले भारतीय प्रवासियों की खूब प्रशंसा की और अमेरिका के विकास में उनके योगदान को सराहा। उन्होने कहा कि भारतीयों ने अमेरिका में जाकर बड़ा बदलाव किया है।फॉर्च्यून 500 कंपनियों में हर दस में से एक में भारतीय प्रवासी हैं, जिन्होंने अमेरिका में पढ़ाई की है। वैसे अमेरिका में भारतीयों को लेकर वर्तमान में चल रहा चुटकुला गलत भी नहीं है।क्योंकि, गूगल से लेकर माइक्रोसॉफ्ट तक की कमान भारतीय मूल के व्यक्तियों के हाथ में ही है। गूगल यानि अल्फाबेट की कमान सुंदर पिचाई के पास है। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला हैं। एडोबी के सीईओ भी भारतीय मूल के शांतनु नारायण हैं।यूट्यूब का जिम्मेदारी भी भारतीय मूल के नील मोहन के हाथों में है। आईबीएम के सीईओ भीभारतीय मूल के अरविंद कृष्णा हैं।दिग्गज अमेरिकी फार्मा कंपनी नोर्वाटिस के सीईओ भी भारतीय मूल के वसंत नरसिम्हन हैं।स्टारबक्स की कमान लक्ष्मण नरसिम्हन हैं तो गुजरात में सेमीकंडक्टर प्लांट लगा रही अमेरिकी कंपनी माइक्रॉन टेक्नोलॉजी के सीईओ संजय मेहरोत्रा हैं। हनीवेल भारतीय मूल के विमल कपूर लीड कर रहे हैं।अमेरिकी कंपनी नेटऐप के सीईओ भी भारतीय मूल के जॉर्ज कुरियन हैं। निश्चित रूप से, उन्होने जिस स्थिति के बारे में बात की, वह तमाम क्षेत्रों में बड़ी संख्या मेंउम्मीदवारों और अमेरिकी विश्वविद्यालयों में सभी तरह की हाइयर स्टडीज करने वाले छात्रों के लिए आधार बनती है। सिर्फ 2023 में, कुल मिलाकर भारतीय नागरिकों को रिकॉर्ड 1.4 मिलियन अमेरिकी वीजा दिया गया।एक दिन पहले ही जब राजदूत से पूछा गया कि क्या उन्हें 2024 में वीजा एप्लीकेशन्स की तादाद में और बढ़ोतरी की उम्मीद है, तो उन्होंने इस पर कहा कि यह संख्या हर साल बढ़ रही है। उन्होने ने कहा कि अमेरिकी यूनिवर्सिटीज पढ़ाई करने के लिए शानदार जगहें हैं।मुझे लगता है कि यह युवा आबादी, बढ़ती आबादी और दुनिया की सबसे बड़ी आबादी के लिए अच्छा विकल्प बना रहेगा। मुझे नहीं लगता कि हमारी जिंदगी में छात्रों की संख्या में कमी आएगी।

साथियों बात अगर हम अमेरिकी राजदूत द्वारा भारतीय मूल के लोगों की तारीफ की करें तो, भारतीय मूल के लोग पूरी दुनिया में अपना जलवा बिखेर रहे हैं।अमेरिका में तो जितनी भी दिग्गज कंपनियां हैं, उसकी कमान भारतीय मूल के सीईओ के पास ही है।यही वजह है कि अब अमेरिका में एक चुटकुला अमेरिका में किसी कंपनी का सीईओ होने के लिए भारतीय होना जरूरी है, खूब चल रहा है। इस बात का खुलासा भारत में अमेरिका के राजदूत ने किया है।न्यूज एजेंसी एएनआई को दिए इंटरव्यू में अमेरिका में रहने वाले भारतीय प्रवासियों की खूब प्रशंसा की और अमेरिका के विकास में उनके योगदान को सराहा हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारतीय मूल के लोग पूरी दुनियां में अपना जलवा बिखेर रहे हैं।भारत में अमेरिकी राजदूत ने भारतीय प्रतिभाओं का लोहा माना-अमेरिकी कंपनियों में भारतीयों की भरमार।अमेरिका में किसी कंपनी का सीईओ होने के लिए भारतीय होना जरूरी अमेरिकी राजदूत का सराहनीय विचार है।

-संकलनकर्ता लेखक-
कर विशेषज्ञ स्तंभकार एडवोकेट
किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

हंसना स्वस्थ और सुखद जीवन के लिए अति आवश्यक आईए जरा हंस लें, हा हा हा हा हा.....

कोलफील्ड मिरर 04 मई 2024: विश्व हास्य दिवस विश्व भर में मई महीने के 5 तारीख को मनाया जाएगा। हर साल मई के पहले रविवार को विश्व हास्य दिवस मनाया जाता है। इसका विश्व दिवस के रूप में प्रथम आयोजन ११ जनवरी, १९९८ को मुंबई में किया गया था। विश्व हास्य योग आंदोलन की स्थापना का श्रेय एक भारतीय डॉ. मदन कटारिया को जाता है। हास्य योग के अनुसार, हास्य सकारात्मक और शक्तिशाली भावना है, जिसमें व्यक्ति को ऊर्जावान और संसार को शांतिपर्ण बनाने के सभी तत्व उपस्थित रहते हैं। विश्व हास्य दिवस का आरंभ संसार में शांति की स्थापना और मानवमात्र में भाईचारे और सदभाव के उद्देश्य से हुई। विश्व हास्य दिवस की लोकप्रियता हास्य योग आंदोलन के माध्यम से पूरी दुनिया में फैल गई। हंसना या हास्य पूर्ण जीवन बिताना स्वास्थ्य और सुखद जीवन के लिए कितना महत्वपूर्ण है इसका यह परिणाम है कि आज विश्व भर में हजारों हास्य क्लब हैं। इस मौके पर विश्व के बहुत से शहरों में रैलियां, गोष्ठियां एवं सम्मेलन आयोजित किये जाते है। हंसना सभी के शारीरिक व मानसिक विकास में अत्यत सहायक है। जापान के लोग अपने बच्चों को प्रारंभ से ही हँसते रहने की शिक्षा देते हैं। इस समय जब अधिकांश विश्व आतंकवाद के डर से सहमा हुआ है, तब 'विश्व हास्य दिवस' की अत्यधिक आवश्यकता महसूस होती है। इससे पहले इस दुनिया में इतनी अशांति कभी नहीं देखी गई। आज हर व्यक्ति के अंदर कोहराम मचा हुआ है। ऐसे में हंसी दुनियाभर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार कर सकती है।' हास्य योग के अनुसार, "हास्य सकारात्मक और शक्तिशाली भावना है, जिसमें व्यक्ति को ऊर्जावान और संसार को शांतिपूर्ण बनाने के सभी तत्त्व उपस्थित रहते हैं। यह व्यक्ति के विद्युत चुंबकीय क्षेत्र को प्रभावित करता है और व्यक्ति में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। जब व्यक्ति समूह में हंसता है तो उत्पन्न सकारात्मक ऊर्जा पूरे क्षेत्र में फैल जाती है और क्षेत्र से नकारात्मक ऊर्जा हटती है।आपके पास दो विकल्प हैं, एक ऐसे लोगों के साथ रहने का है, जो धीर-गंभीर और बोझिलता से भरा हो, दूसरा विकल्प है एक ज़िंदादिल इंसान के साथ रहने का। आप किसे चुनना पसंद करेंगे? ज़ाहिर है कि दूसरा विकल्प ज़्यादा लोगों को पसंद आएगा। क्योंकि कहा ही जाता है कि "ज़िंदगी ज़िंदादिली का नाम है, मुर्दादिल क्या खाक जिया करते हैं"।

इसीलिए हंसना बहुत ज़रूरी है। विश्व भर में एक दिन हंसने के नाम समर्पित है। लखनऊ के रेलवे स्टेशन से आदमी बाहर निकलता है तो बड़े अक्षरों में लिखे बोर्ड पर नज़र टिकती है- "मुस्कुराइए कि आप लखनऊ में हैं"। यह वाक्य पढ़ते ही यात्रियों के चेहरे पर मुस्कुराहट फैल जाती है। इस एक वाक्य में लखनऊ की ज़िंदादिली व खुशमिज़ाजी के दर्शन होते हैं। हँसना एक मानवीय लक्षण है, सृष्टि का कोई भी जीवधारी नहीं हँसता, लेकिन एक हम मनुष्य ही हँसने वाले प्राणी हैं, जीवन में निरोगी रहने के लिए हमेशा मुस्कुराते रहना चाहिए। खाना खाते समय मुस्कुराइए, आपको महसूस होगा कि खाना अब अधिक स्वादिष्ट लग रहा है। हँसने के कई लाभ हैं, जो इस प्रकार हैं। हास्य सकारात्मक और शक्तिशाली भावना है, जिसमें व्यक्ति को ऊर्जावान और संसार को शांतिपर्ण बनाने के सभी तत्त्व उपस्थित रहते हैं। हंसने से तमाम बीमारियां अपने आप छूमंतर हो जाती है। मनोवैज्ञानिक प्रयोगों से यह स्पष्ट हुआ है कि अधिक हँसने वाले बच्चे अधिक बुद्धिमान होते हैं। हँसना सभी के शारीरिक व मानसिक विकास में अत्यंत सहायक है। जापान के लोग अपने बच्चों को प्रारंभ से ही हँसते रहने की शिक्षा देते हैं।मानव शरीर में पेट और छाती के बीच में एक डायफ्राम होता है, जो हँसते समय धुकधुकी का कार्य करता है। फलस्वरूप पेट, फेफड़े और यकृत की मालिश हो जाती है। हँसने से ऑक्सीजन का संचार अधिक होता है व दूषित वायु बाहर निकलती है।

नियमित रूप से खुलकर हँसना शरीर के सभी अवयवों को ताकतवर और पुष्ट करता है व शरीर में रक्त संचार की गति बढ़ जाती है तथा पाचन तंत्र अधिक कुशलता से कार्य करता है। ज़ोर से कहकहे लगाने से पूरे शरीर में प्रत्येक अंग को गति मिलती है, फलस्वरूप शरीर में मौजूद एंडोक्राइन ग्रंथि (हारमोन दाता प्रणाली) सुचारु रूप से चलने लगती है, जो कि कई रोगों से छुटकारा दिलाने में सहायक है। दुनिया में सुख एवं दुःख दोनों ही धूप -छाँव की भाँति आते- जाते हैं। यदि मनुष्य दोनों परिस्थितियों में हँसमुख रहे तो उसका मन सदैव काबू में रहता है व वह चिंता से बचा रह सकता है। 'शेक्सपियर' जैसे विचारकों ने भी इस बात की पुष्टि की है कि प्रसन्नचित व्यक्ति अधिक जीता है। मनुष्य की आत्मा की संतुष्टि, शारीरिक स्वस्थता व बुद्धि की स्थिरता को नापने का एक पैमाना है और वह है चेहरे पर खिली प्रसन्नता। आज के इस तनावपूर्ण वातावरण में व्यक्ति अपनी मुस्कुराहट व हँसी को भूलता

जा रहा है फलस्वरूप तनावजन्य बीमारियाँ जैसे उच्च रक्तचाप, शुगर, माइग्रेन, हिस्टीरिया, पागलपन, डिप्रेशन आदि बहुत-सी बीमारियों को निमंत्रण दे रहा है।हास्य एक सार्वभौमिक भाषा है। इसमें जाति, धर्म, रंग, लिंग से परे रहकर मानवता को समन्वय करने की क्षमता है। हंसी विभिन्न समुदायों को जोड़कर नए विश्व का निर्माण कर सकती है। यह विचार भले ही काल्पनिक लगता हो, लेकिन लोगों में गहरा विश्वास है कि हंसी ही दुनिया को एकजुट कर सकती है। हँसी जीवन का प्रभात है, यह शीतकाल की मधुर धूप है तो ग्रीष्म की तपती दुपहरी में सघन छाया। हँसने से आत्मा खिल उठती है। इससे आप तो आनंद पाते ही हैं दूसरों को भी आनंदित करते हैं। हास-परिहास पीड़ा का दुश्मन है, निराशा और चिंता का अचूक इलाज और दुःखों के लिए रामबाण औषधि है।

सुरेश सिंह बैस "शाश्वत"

सेवानिवृत्ति पर डोलिया का सम्मान

कोलफील्ड मिरर 04 मई (इंदौर): पश्चिम क्षेत्र विद्युत कंपनी इंदौर के पूर्व शहर संभाग में कार्यरत एसओ दुर्गाशंकर डोलिया की 30 अप्रैल को विद्युत कंपनी से सेवानिवृत्ति पर साथियों ने स्वागत कर बिदाई दी। साथियों ने डोलिया का पुष्प मालाओं से स्वागत कर उन्हें शॉल-श्रीफल से सम्मानित किया। कार्यपालन यंत्री श्रीकांत बारस्कर, टाले, जायसवाल, एस रघुवंशी, चंद्रवाल आलोक सिंह, मदन वर्मा "माणिक", प्रेमचन्द गुप्ता, मुकेश कोंडले, संजय सकरगाये, सुशील शर्मा, पुष्पा खंडेलवाल, देवेन्द्र पुराणिक, योगेन्द्र व्यास, आर केथुनिया, असलम खान, रमेश सिंगाजी, नवल राजपूत, सुनील काम्बले, बंशी पाल, कमल यादव, यशवंत यादव, पूजा बैरागी, ज्योती भूरे, अजय, शुभम, राजेश, अमन ने डोलिया के कार्यों की सराहना की व शुभकामनाएं दी।

रायबरेली, लोकसभा सीट को अब आज प्रियंका गांधी के चुनाव लड़ने का इंतजार है!

कोलफील्ड मिरर 04 मई 2024: इंदिरा गांधी एवं सोनिया गांधी के बाद अब रायबरेली वालों को अपनी लोकसभा सीट के लिए प्रियंका गांधी का इंतजार है कारण शांत सुस्त और मोन साधे रायबरेली कांग्रेस में अब एक उमंग है, उल्लास है तथा हर एक को आज यह उम्मीद है कि अब शीघ्र ही इस सीट के लिए प्रियंका गांधी अपना परचा दाखिल करेंगी वैसे देखा जाए तो यह सीट पिछले कुछ वर्षों से सोनिया गांधी के पास थी परंतु अब कुछ समय पहले ही इस बार सोनिया गांधी ने अपना संसद जाने का रास्ता राज्यसभा के सहारे से चुन लिया है एवं उनको वहां से सफलता भी मिल चुकी है तब ऐसे में आज लोकसभा की रायबरेली सीट कांग्रेस की तरफ से खाली हो चुकी है तब ऐसे में गांधी परिवार के किसी अन्य सदस्य के यहां से चुनाव लड़ने की उम्मीदें की जा रही है यही कारण है कि पिछले दो माह से लोकसभा चुनाव को लेकर रणनीतिकारों ने अपनी नई रणनीतियां भी बनना शुरू कर दी है। केंद्रीय नेतृत्व ने भले ही प्रियंका गांधी के नाम की अभी तक घोषणा नहीं की है लेकिन यहां के कार्यकर्ता उनके नाम को लेकर हि काफी उत्साहित एवं आशान्वित है। कुल मिलाकर रायबरेली के सियासी समर में इस बार इस समय वही हालात है जो वर्ष 1967 में इंदिरा गांधी तो 2004 में सोनिया गांधी के लिए बने थे कांग्रेस के एजेंडे को बूथों पर प्रचारित भी किया जा रहा है तथा कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में पांच न्याय और 25 गारंटी की बात भी कही है और जिला कांग्रेस समिति इसी बात पर फोकस भी कर रही है तथा आज पुराने कांग्रेसियों की भी मदद ली जा रही है फिर आज कांग्रेस रायबरेली में अभी भी अपने पुराने ब्राह्मण, मुस्लिम और दलित फार्मूले को मुफीद मान रही है। इसी कारण इस बार के चुनाव में भी पार्टी इसी फार्मूले पर कार्य कर रही है। अतः जब से रायबरेली से प्रियंका गांधी का नाम चला है कार्यकर्ताओं में भी काफी उत्साह है। अतः कह सकते हैं कि आज सोनिया गांधी के राज्यसभा से संसद में जाने के बाद आज यहां का कांग्रेसी कार्यकर्ता एवं यहां की आम जनता अब प्रियंका गांधी के रायबरेली लोक सभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने की पूरी-पूरी उम्मीद एवं संभावनाएं व्यक्त कर रही है। मगर अगर वे यहां से चुनाव नहीं लडती है तो फिर राहुल बाबा को जो अब तक अमेठी से चुनाव लड़ने की घोषणा नही कर पा रहे हैं तो वे हि रायबरेली से चुनाव लड़ने की घोषणा कर दे। इसमें भी एक रोचकता बनी रहेगी।

एमएम राजावतराज
एमपी, शाजापुर